हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 39 ● भिलाई, गुरुवार 27 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

तमिलनाडु में 17 महीने के ब्रेन डेड बच्चे का अंगदान

चेन्नई। शहर के राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल में इलाज करा रहे 17 महीने के ब्रेन-डेड बच्चे के अंगदान कर दिए गए. माता-पिता की अनुमति मिलने के बाद बच्चे के ऑर्गन डोनेट किए गए. खास बात यह है कि इस ऑर्गन डोनेशन के साथ यह बच्चा तमिलनाडु का सबसे कम उम्र का ऑर्गन डोनर बन गया है. इससे पहले, इसी हॉस्पिटल में 20 महीने के बच्चे के ऑर्गन डोनेट किए गए थे. हाइड्रोसिफलस (दिमाग में पानी भरना) से पीड़ित बच्चे को चेन्नई के राजीव गांधी गवर्नमेंट जनरल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था. बच्चे की हालत गंभीर थी और डॉक्टर पिछले 6 दिनों से उसे इंटेंसिव केयर दे रहे थे. लेकिन, बच्चे की हालत में कोई सुधार न होने पर, मेडिकल एक्सपर्ट्स की टीम द्वारा की गई चिकित्सीय जांच और सही प्रक्रिया के आधार पर, 24 अगस्त सोमवार सुबह बच्चे को ब्रेन डेड बताया गया. बच्चे की इस हालत को जानने के बाद माता-पिता बहुत अधिक दुख में थे. इसके बावजूद, उन्होंने बच्चे के अंगदान करने और दूसरों की जान बचाने में मदद करने का फैसला किया.

बैलून निगलने से छह साल के बच्चे की मौत

तिरुपत्तुर। तमिलनाडु के तिरुपत्तुर में गुब्बारा निगलने से एक लड़के की मौत की चौंकाने वाली घटना ने सभी को हैरान कर दिया है. यह खबर उनके लिए है जो बच्चों को अकेला घर पर छोड़कर जाते हैं या फिर उन्हें कोई ऐसा खिलौना दे जाते हैं, जिसकी निगरानी करना संभव न हो. कुछ ऐसा ही इस लड़के के साथ हुआ. घटना के अनुसार कुमार और सत्य तिरुपत्तुर जिले के नटरामपल्ली के पास बाचुर इलाके में रहने वाले एक दंपत्ति हैं. वे कपड़े का व्यापार करते हैं. इस दंपत्ति के कुल पांच बच्चे हैं. सोमनाथ (6 साल) उनमें से एक है. कामकाज के सिलसिले में, सोमवार को कुमार और सत्य हमेशा की तरह कपड़े के व्यापार के लिए बरगुर गए थे.जब वे व्यापार के लिए जाते हैं, तो आमतौर पर कुमार के माता-पिता बच्चों की देखभाल करते हैं. इसी तरह, कल भी वे दोनों बच्चों को अपने माता-पिता के पास छोड़कर व्यापार के लिए चले गए.

कुदरत का कहर

नेपाल में बाढ़ से भारी तबाही 55 की मौत,400 से ज्यादा लापता

नई दिल्ली/ एजेंसी

चीन के तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग जिलों में भारी तबाही मचा दी है। भोटेकोशी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रुबेसी समेत कई इलाकों में घर, बाजार और अन्य संपत्तियां क्षतिग्रस्त हो गईं। बाढ़ के तेज बहाव में वाहन और सामान बह गए, जबकि एक पुल और हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट भी तबाह हो गया। अब तक कम से कम 55 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में कई भारतीय भी हैं। नेपाली मीडिया के अनुसार, नुवाकोट और धाडिंग जिलों से अब तक 8 शव बरामद किए गए हैं। रसुवा में नेपाल पुलिस के 26 जवान और आर्म्ड पुलिस फोर्स के 7 जवान भी लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल सेना ने प्रभावित इलाकों में हेलिकॉप्टर और आपदा राहत कर्मियों को तैनात किया है। सेना के मुताबिक, नुकसान का आकलन और जानकारी जुटाने का काम जारी है। रसुवा में नेपाल पुलिस के 26 जवान और आर्म्ड पुलिस फोर्स के 7 जवान भी लापता बताए जा रहे हैं। नेपाल सेना ने प्रभावित इलाकों में हेलिकॉप्टर और आपदा राहत कर्मियों को तैनात किया है। सेना के मुताबिक, नुकसान का आकलन और जानकारी जुटाने का काम जारी है। बाढ़ के असर को देखते हुए बिहार में भी अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हाई

अलर्ट पर हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने गंडक नदी में करीब 3 मीटर ऊंची फ्लैश फ्लड वेव आने की आशंका जताई है। प्रारंभिक शुरुआती जानकारियों के अनुसार, इस जलप्रलय में करीब 1,000 लोगों के बह जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इस आंकड़े की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है और जैसे-जैसे राहत व बचाव कार्य आगे बढ़ रहे हैं, नुकसान की असल स्थिति का आकलन किया जा रहा है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि रसुवा जिले के पहाड़ी इलाके जैसे स्याफ्रु बेसी और टिमुरे सबसे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। तिब्बत से सटे इस क्षेत्र में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। नेपाल पुलिस के मुताबिक, तिब्बत की तरफसे बहने वाली भोटे कोशी नदी में अचानक पानी का जलस्तर बेहद खतरनाक स्तर तक बढ़ने के कारण यह फ्लैश फ्लड आया। इसे देखते हुए प्रशासन ने भोटे कोशी नदी के तटवर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की सख्त चेतावनी दी है। इसके अलावा, नुवाकोट, धाडिंग, चितवन और गोरखा समेत त्रिशूल नदी बेसिन के आसपास के सभी जिलों में हाई अलर्ट घोषित किया गया है, और लोगों से अगले आदेश तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की गई है।

पीएम मोदी ने नेपाली पीएम बालेन शाह से की बात, हर संभव मदद का दिया भरोसा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार (26 अगस्त) को नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान पीएम मोदी ने पड़ोसी देश नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के कारण हुई जनहानि पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। बातचीत में उन्होंने नेपाल को इस भारी संकट से उबारने के लिए भारत की ओर से पूर्ण समर्थन और हरसंभव मानवीय सहायता देने का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में लिखा, नेपाल में बाढ़ के कारण हुई जानमाल की हानि पर प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह से बातचीत कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस मुश्किल समय में भारत के लोग नेपाल में रह रहे अपने सभी भाइयों और बहनों के साथ पूरी एकजुटता के साथ खड़े हैं।

महिलाओं को बड़ा तोहफा

अब हर महीने मिलेंगे 2500 का आर्थिक लाभ-सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/ एजेंसी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने रक्षाबंधन से ठीक पहले प्रदेश की महिलाओं को एक बड़ा तोहफा दिया है। बुधवार, 26 अगस्त को मुख्यमंत्री ने 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' का आगाज कर दिया है। इस योजना के तहत पात्र महिला लाभार्थियों को प्रति महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने योजना के तहत सबसे पहले रजिस्ट्रेशन कराने वाली 2,500 महिलाओं को अप्रूवल सर्टिफिकेट सौंपा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक

अगस्त 2026 से इस योजना को लागू किया गया था। अब तक कुल 9 लाख 22 हजार महिलाओं ने योजना में खुद को पंजीकृत कराया है। योजना की जानकारी देते हुए एक्स पर एक पोस्ट में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की मेरी सभी बहनों के आशीर्वाद, विश्वास और स्नेह के साथ आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री मोदी जी के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी।

श्रीशैलम में एक ही परिवार के पांच सदस्यों ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

श्रीशैलम। आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम के वड्डेरा सतराम (सराय या विश्राम गृह) के कमरा नंबर 11 में एक ही परिवार के पांच लोगों ने आत्महत्या कर ली. तीन दिन पहले हुई इस घटना का पता देर से चला. खबर के मुताबिक, जब होटल के व्यवस्थापक कमरे से आ रही बदबू पर जांच करने गए, तो उनके होश उड़ गए. कमरे के अंदर पांच लाशें मिलने से हड़कंप मच गया. इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी. जानकारी मिलते ही आत्मकुर के डीएसपी रामंजनेयुलु ने मौके पर जाकर जांच की. श्रीशैलम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है. सराय के व्यवस्थापक ने बताया कि वे सभी लगभग एक महीने से वड्डेरा सतराम में रह रहे थे.

ओबीसी क्रीमी लेयर पर केंद्र की कोर्ट से गुहार

मांगा 2 साल का वक्त....कहा फैसले से मचेगी अफरातफरी

नई दिल्ली/ एजेंसी

अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से जुड़े 'क्रीमी लेयर' नियमों को लेकर एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले कर्मचारियों के बच्चों के लिए क्रीमी लेयर के नियम तय करने के लिए 2 साल का समय मांगा है। इसके साथ ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के 11 मार्च के फैसले को पिछली तारीख से लागू करने के खिलाफ दायर अपनी अर्जी पर जल्द सुनवाई करने की मांग की है। इस मामले

में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत की अगुवाई वाली बेंच के सामने जल्द सुनवाई का अनुरोध किया, जिस पर कोर्ट 1 सितंबर को सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया है।केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने साफ किया कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा या उसमें कोई बदलाव नहीं चाहती है। सरकार केवल इस फैसले को पिछली तारीख से लागू करने में आने वाली गंभीर व्यावहारिक और तकनीकी दिक्कतों से कोर्ट को अवगत कराना चाहती है। सरकार का कहना है कि बिना किसी मजबूत नीतिगत बदलाव के इस फैसले को तुरंत लागू करना बेहद चुनौतीपूर्ण होगा। इसके दूरगामी और गंभीर परिणाम हो सकते हैं, इसलिए सरकार एक ऐसी निष्पक्ष और न्यायपूर्ण पॉलिसी लाने के लिए प्रतिबद्ध है जो सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर प्रभावी ढंग से अमल कर सके।

सायोनी घोष से लेकर यूसुफ पठान

टीएमसी के बागियों को अब बिरला ने भेजा नोटिस

तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी सियासी घमासान के बीच अब लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी किया है। ये कार्रवाई टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से दायर अयोग्यता याचिकाओं के सिलसिले में की गई है। स्पीकर के कार्यालय ने सभी 20 सांसदों से नोटिस प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। गौरतलब है कि अभिषेक बनर्जी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में भी इस मामले की सुनवाई चल रही है। अभिषेक ने सुप्रीम कोर्ट का रुख करते हुए आरोप लगाया था कि

लोकसभा स्पीकर के समक्ष दायर अयोग्यता याचिकाओं पर समयबद्ध तरीके से फैसला नहीं किया जा रहा है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका पर 20 बागी सांसदों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। इसके बाद स्पीकर के कार्यालय की ओर से भी सांसदों को नोटिस जारी किए जाने की जानकारी सामने आई।

पटना में मुख्यमंत्री आवास कूच कर रहे छात्रों ने बैरिकेड तोड़े, लाठीचार्ज और पानी से रोका

पटना। बिहार की राजधानी पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के उम्मीदवारों ने अपना आंदोलन तेज कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास तक कूच किया, इस दौरान उनकी पुलिस से झड़प हुई। पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को रोकने के लिए बैरीकेड लगाए थे, जिसे तोड़ दिया गया। इसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार करके उनको रोकने का प्रयास किया और छात्रों पर लाठीचार्ज करके उनको तितर-बितर करने की कोशिश की गई। छात्रों ने सुबह करीब 10 बजे गांधी मैदान से मार्च शुरू किया और मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ते हुए नारे लगाए।

आदिवासी कांग्रेस की बैठक में आंदोलन का ऐलान

विक्रांत भूरिया बोले-आदिवासी हितों के लिए जमीन पर उतरकर लड़ने का समय

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ आदिवासी कांग्रेस की विस्तारित बैठक राजधानी रायपुर में संपन्न हुई। बैठक में संगठन की मजबूती, आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों और आगामी आंदोलन की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन खड़ा करने का आह्वान किया। विक्रांत भूरिया ने कहा कि आदिवासियों के हित में ऐसा बड़ा आंदोलन करना है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हों। उन्होंने कहा कि जब आंदोलन बड़ा होगा और उसमें अच्छी भीड़ जुटेगी, तब राहुल गांधी भी इसमें शामिल होंगे। भूरिया ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आदिवासी समाज के घर-घर जाएं और सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि समाज के लोगों के साथ त्योहार मनाएं, उनके बीच जाएं और उनकी समस्याओं को समझें। उन्होंने कहा कि अलग-अलग मुद्दों को लेकर आदिवासी समाज में सरकार के प्रति क्या नाराजगी है,

इसकी जानकारी जुटाई जाए। इन मुद्दों को लेकर पूरे प्रदेश में आंदोलन खड़ा किया जाएगा। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन को मजबूत करने के लिए पार्टी से अलग हो चुके लोगों को वापस जोड़ने पर भी जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए सभी को साथ लेकर चलना होगा। श्री भूरिया ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अपनी पहचान और अधिकारों को लेकर सजग रहें, क्योंकि यदि आदिवासी अपनी पहचान और मुद्दों से भटके तो राजनीतिक ताकतें उन्हें गुमराह कर सकती हैं। बैठक में आदिवासियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर प्रदेशभर में आंदोलन की रणनीति तैयार करने पर जोर दिया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को अस्पताल से वापस जेल भेजा गया

इस्लामाबाद के सरकारी अस्पताल में बड़ा हादसा एसी कंप्रेसर फटने से 15 नवजात जिंदा जले.....

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। एक सरकारी अस्पताल में बुधवार, 26 अगस्त को अचानक भीषण आग भड़क उठी। स्थानीय मीडिया चैनल 'जियो टीवी' की रिपोर्ट के अनुसार, इस वीभत्स अग्निकांड में कम से कम 15 नवजात बच्चों की मौत हो गई है। यह दुखद घटना इस्लामाबाद स्थित प्रतिष्ठित 'पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' अस्पताल में घटी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त अस्पताल के गाइनोलॉजी वार्ड की नर्सरी में कुल 16 नवजात शिशु मौजूद थे। आग की इस चपेट में आने से 15 मासूमों की जान चली गई, जबकि गनीमत यह रही कि एक शिशु को सुरक्षित बचा लिया गया। राहत और बचाव कार्य में जुटे अधिकारियों ने स्थानीय चैनल को जानकारी दी कि अस्पताल की नर्सरी के अंदर एयर कंडीशनर (एसी) का कंप्रेसर फटने की वजह से यह आग फैली थी। फिलहाल, आग पर पूरी तरह काबू

पा लिया गया है और घटनास्थल पर कूलिंग ऑपरेशन जारी है। एक अन्य बड़ी खबर में, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के चलते शुक्रवार तड़के इस्लामाबाद के एक निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां से कुछ घंटे बाद उन्हें वापस जेल भेज दिया गया। यह घटनाक्रम तब सामने आया जब पाकिस्तानी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में एक पुनर्विचार याचिका दाखिल कर दी, जिसमें अदालत से उन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में शिफ्ट करने के आदेश पर दोबारा विचार करने का अनुरोध किया गया था। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक और 73 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान को अड़याला जेल से निकालकर 'शिफा इंटरनेशनल अस्पताल' ले जाया गया था। पीटीआई के प्रवक्ता जुल्फिकार बुखारी (जुल्फी बुखारी) ने समाचार एजेंसी एएफपी से बातचीत में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पूरी तरह से पालन किया गया है।बता दें कि इमरान खान ने साल 2018 से 2022 तक देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था, लेकिन सैन्य तनाव के बीच अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद उन्हें सत्ता गंवानी पड़ी थी। इसके बाद, भ्रष्टाचार के एक

सीएम शिवकुमार का दावा

मैं आज भी 50 रुपये में बाल कटवाता हूं...

नई दिल्ली। 1400 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के मालिक और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार अपने एक बयान को लेकर चर्चा में आ गए हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि इतनी संपत्ति होने के बावजूद वे आज भी दिल्ली में मात्र 50 रुपये में अपने बाल कटवाते हैं और सादगी भरा जीवन जीने में विश्वास रखते हैं। हालांकि उनके इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तंज कसते हुए इसे दोहरा रवैया करार दिया है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव के दौरान डीके शिवकुमार ने कहा कि जब

मैं दिल्ली में था तो अपनी पसंद की एक साधारण दुकान पर जाकर बाल कटवाना चाहते थे। हालांकि, सुरक्षा कारणों से जब सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें सार्वजनिक स्थान पर जाने से रोका और नाई को घर बुलाने की सलाह दी तो शिवकुमार ने इससे इनकार कर दिया।

भिलाई की सियासत की वह आवाज, जो दल से नहीं जनविश्वास से जीतती रही, वशिष्ठ नारायण मिश्रा नहीं रहे

भिलाई नगर। भिलाई की स्थानीय राजनीति में अपनी अलग पहचान रखने वाले वरिष्ठ पार्षद वशिष्ठ नारायण मिश्रा का 56 वर्ष की आयु में 26 अगस्त को निधन हो गया। पिछले कुछ महीनों से अस्वस्थ चल रहे मिश्रा के निधन की खबर से भिलाई शहर और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। निगम सदन में जनहित के सवालों को बेबाकी, तर्क और गहन अध्ययन के साथ उठाने वाली एक बुलंद आवाज अब हमेशा के लिए खामोश हो गई।

मिश्रा का अंतिम संस्कार 27 अगस्त को राम नगर स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा।

पांच चुनाव, पांचों बार जनता ने निर्दलीय पर जताया भरोसा- सेक्टर-2, सड़क-6 निवासी वशिष्ठ नारायण मिश्रा की राजनीतिक यात्रा अपने आप में एक मिसाल रही। नगर निगम भिलाई के गठन के बाद हुए सभी पांच नगर निगम चुनावों में उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा और हर बार जीत दर्ज की। किसी राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह या संगठनात्मक सहारा लिए बिना लगातार पांच बार पार्षद चुना जाना इस बात का प्रमाण था कि उनके लिए सबसे बड़ी ताकत पार्टी नहीं, बल्कि जनता का विश्वास था।

उन्होंने निगम सदन में सेक्टर-1 और सेक्टर-2 क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

निगम अधिनियम की किताब जैसे थे मिश्रा- वशिष्ठ नारायण मिश्रा की पहचान सिर्फ एक पार्षद के रूप में नहीं, बल्कि नगर निगम अधिनियम के गहरे जानकार और अध्ययनशील जनप्रतिनिधि के रूप में थी। निगम की बैठकों में जब वे बोलना शुरू करते, तो सदन का माहौल गंभीर हो जाता था।

नियमों और अधिनियम की धाराओं से लेकर सदन की कार्यप्रणाली तक उन्हें बारीकी से जानकारी थी। किसी मुद्दे पर बोलने से पहले उनका गहन अध्ययन और तैयारी उनकी कार्यशैली का हिस्सा थी। यही वजह थी कि उनके सवालों और तर्कों को सदन में गंभीरता से सुना जाता था।

उनके जाने से भिलाई नगर निगम ने केवल एक पार्षद नहीं खोया, बल्कि नियमों की जानकारी रखने वाला, सवाल पूछने का साहस रखने वाला और जनहित की आवाज को मजबूती से उठाने वाला एक सजग जनप्रतिनिधि खो दिया है।

कांग्रेस से शुरुआत, आंदोलनों में निभाई निर्णायक भूमिका- तीन भाइयों में दूसरे नंबर के वशिष्ठ नारायण मिश्रा आजीवन अविवाहित रहे। राजनीति के शुरुआती दौर में वे कांग्रेस से जुड़े और भिलाई नगर युवक कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे।

बीएसपी में टीए एवं टीओटी प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार दिलाने तथा कोसा नाला टोल प्लाजा बंद कराने के आंदोलनों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। जनहित से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष करने की उनकी शैली ने उन्हें धीरे-धीरे भिलाई की राजनीति में अलग पहचान दिलाई।

वर्ष 2016 के नगर निगम चुनाव में उन्होंने महापौर पद पर भी निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़कर अपनी राजनीतिक सक्रियता और जनाधार का परिचय दिया।

दल से ऊपर था जनता का रिश्ता- वशिष्ठ नारायण मिश्रा की सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी उनका जनसंपर्क और जनता का भरोसा था। लगातार पांच बार निर्दलीय पार्षद चुना जाना इस बात का प्रमाण रहा कि वे चुनाव केवल राजनीतिक समीकरणों से नहीं, बल्कि अपने काम और व्यक्तिगत संपर्क के बल पर लड़ते थे।

उनके निधन से भिलाई की राजनीति में एक ऐसा खालीपन पैदा हुआ है, जिसे भरना आसान नहीं होगा। अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं, समाजसेवियों और नगर निगम के जनप्रतिनिधियों ने मिश्रा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए इसे भिलाई के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

एक ऐसी आवाज, जो सत्ता पक्ष हो या विपक्ष—जनहित के सवाल पर अपनी बात कहने से कभी पीछे नहीं हटी, अब सदन में सुनाई नहीं देगी। पांच बार जनता के भरोसे पर जीतने वाला यह निर्दलीय चेहरा भले ही आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन भिलाई की स्थानीय राजनीति के इतिहास में वशिष्ठ नारायण मिश्रा का नाम लंबे समय तक याद किया जाता रहेगा।

ट्रक चोरी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

दल्लीराजहरा। ट्रक चोरी के मामले में राजा पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ा। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार 21 अगस्त की रात्रि लगभग 02:30 बजे, वार्ड क्रमांक 27, पुराना गुरुद्वारा राजहरा के सामने खड़े 14 चक्का ट्रक क्रमांक सीजी 07 सीएस 8090 की चोरी हो गई। इस ट्रक को चालक योगेश सागे द्वारा 20 अगस्त की रात्रि में खड़ी कर अपने घर चला गया था। रात्रि में ट्रक चोरी होने की सूचना पर प्रार्थी अक्षय कुमार मंडले की रिपोर्ट पर थाना राजहरा में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक किरण चौहान के निर्देशन तथा नगर पुलिस अधीक्षक राजहरा विकास पाटले के मार्गदर्शन में राजहरा पुलिस द्वारा चोरी गए वाहन एवं आरोपी की पतासाजी की गई। पतासाजी के दौरान चोरी गया 14 चक्का ट्रक क्रमांक सीजी 07 सीएस 8090 ग्राम तुमड़ीबोड़, जिला राजनांदगांव के पास लावारिस हालत में खड़ी मिली, जिसे पुलिस ने बरामद किया। घटना स्थल एवं अन्य स्थानों की सीसीटीवी फुटेज के तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी की पहचान की गई। जांच के दौरान जप्त वाहन के चालक योगेश सागे से पूछताछ की गई। जांच में यह तथ्य सामने आया कि 20 अगस्त को संदेही व्यक्ति चालक के साथ वाहन में बैठकर कच्चे माइंस से मेटाबोदली-अंतागढ़ गया था। वहां से ट्रक में कच्चा माल लेकर दोनों गिधाली प्लांट पहुंचे तथा माल खाली करने के बाद रात्रि लगभग 10:30 बजे राजहरा वापस आए। जहां शर्मा पेट्रोल पंप से डीजल लेने के पश्चात आरोपी को वाहन से उतार दिया गया था। सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य चालकों से पूछताछ के आधार पर संदेही की पहचान हरिवंश सेवता, उम्र 21 वर्ष, निवासी तहकाल, थाना अंतागढ़, जिला कांकेर के रूप में हुई। आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया था, जिसे पुलिस द्वारा रायपुर के सिलतरा क्षेत्र से हिरासत में लिया गया। पूछताछ एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी द्वारा अपराध घटित करना पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया गया तथा न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

नेअमते उज़्मा कॉन्फ्रेंस में गूंजी नात-ओ-शरीफ़ जुलूसे मोहम्मदी में उमड़ा अकीदतमंदों का हुजूम

दुर्ग। आमदे मुस्तफ़ा एवं जश्ने ईद मिलादुन्नबी के मुबारक अवसर पर सीरत पाक कमेटी शहर दुर्ग द्वारा आयोजित एक रोजा अज़ीमुश्शान जलसा 'नेअमते उज़्मा कॉन्फ्रेंस' बुधवार को जामा मस्जिद, दुर्ग में संपन्न हुआ। बाद नमाज मगरिब आयोजित इस रूहानी एवं इल्मी जलसे में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

कार्यक्रम में मेहमान-ए-खुसूसी आले नबी, हजरत अल्लामा मौलाना पीर मुफ्ती सैय्यद ओहादुद्दीन माज़ अशरफ अशरफीउल जिलानी अजहरी मिस्बाही साहब किबला, किछौछा शरीफ उत्तर प्रदेश ने शिरकत कर खिताब फरमाया। इस दौरान नात-ओ-मनकबत, सीरत-ए-पाक और इस्लामी शिक्षाओं पर तकरीर हुई। उपस्थित लोगों ने पूरे अदब व एहतराम के साथ कार्यक्रम में शिरकत की।

जुलूसे मोहम्मदी में दिखा उत्साह- ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को सीरत पाक कमेटी शहर दुर्ग द्वारा जुलूसे मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस दोपहर 2 बजे बाद नमाज जोहर जामा मस्जिद, दुर्ग से रवाना हुआ। विभिन्न मार्गों से होते हुए जुलूस पुनः जामा मस्जिद पहुंचा, जहां परचम कुशाई की रस्म अदा की गई।

जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। रास्तेभर लोगों ने मिलादुन्नबी की खुशी का इजहार किया। जुलूस के दौरान अनुशासन, अमन, शांति और भाईचारे का संदेश दिया गया। सीरत पाक कमेटी के सदर सैय्यद अनीस रज़ा सहित कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

शिक्षा गुणवत्ता को लेकर कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने ली प्राचार्यों व शिक्षकों की बैठक

दल्लीराजहरा। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा द्वारा जिले में शिक्षा गुणवत्ता की सुधार सुनिश्चित कर परीक्षा परिणाम को उत्कृष्ट बनाने हेतु लगातार जिले के सभी विकासखण्डों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों की बैठक ली जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में डौण्डी विकासखण्ड के प्राचार्यों एवं शिक्षकों की बैठक लेकर शिक्षा गुणवत्ता के कार्यों की गहन समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी प्राचार्यों एवं शिक्षकों को बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने तथा उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम हासिल करने के लिए निर्धारित कार्य योजना बनाकर उसके अनुरूप बच्चों का अध्ययन-अध्यापन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने डौण्डी विकासखण्ड के शिक्षकों की कमी वाले सभी शालाओं में संगवारी गुरूजियों की नियुक्ति हेतु तत्काल प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश सभी प्राचार्यों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि डौण्डी विकासखण्ड डीएमएफ प्रभावित विकासखण्ड होने के कारण यहाँ पर जिला खनिज न्यास संस्थान से संगवारी गुरूजियों की नियुक्ति करने में किसी भी प्रकार की कठिनाई नही होगी। इसके अलावा उन्होंने डौण्डी विकासखण्ड के स्कूलों में नवीन शाला भवन निर्माण, शाला मरम्मत, स्कूलों में शेड निर्माण आदि की आवश्यकता होने पर तत्काल प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। मिश्रा ने वीबी जीरामजी योजना में भी शालाओं में अधोसंरचना से जुड़े इन कार्यों को पूरा करने हेतु प्रावधान होने की जानकारी दी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी दीपक दुबे, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, प्राचार्यों एवं शिक्षकों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। बैठक में मिश्रा ने स्कूलवार डौण्डी विकासखण्ड के हाई स्कूल एवं हायर सेकण्डरी स्कूल में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विगत दो वर्षों के परीक्षा परिणाम की तुलना करते हुए शिक्षा सत्र 2025-26 के परीक्षा परिणामों की समीक्षा की। कलेक्टर मिश्रा ने पिछले दो वर्षों के परीक्षा परिणाम की तुलना में कुछ स्कूलों का शिक्षा सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम बेहतर नही होने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। इसके लिए उन्होंने संबंधित स्कूल के प्राचार्यों एवं विषय शिक्षकों को तलब कर इसका कारण जाना। बैठक में उन्होंने प्राचार्यों एवं शिक्षकों से इस वर्ष के परीक्षा परिणाम को उत्कृष्ट बनाने हेतु किए जा रहे उपायों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्यों एवं शिक्षकों को विद्यालय के परीक्षा परिणाम को उत्कृष्ट बनाने हेतु उचित रणनीति बनाकर उसके आधार पर अध्ययन-अध्यापन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अध्यापन कार्य बेहतर एवं रूचिकर हो तो विद्यालय एवं संबंधित काल खण्ड में बच्चों की उपस्थिति समुचित होगी। कलेक्टर मिश्रा ने परीक्षा परिणाम खराब होने पर संबंधित विषय के शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। मिश्रा ने परीक्षा परिणाम खराब आने पर संबंधित विषय के शिक्षकों के अलावा संविदा शिक्षकों को भी अनिवार्य रूप से कारण बताओ नोटिस जारी करने को कहा। इसके अलावा उन्होंने त्रैमासिक एवं अर्द्धवार्षिक परीक्षा परिणाम खराब आने पर संबंधित शिक्षकों के विरूद्ध कार्रवाई की भी चेतावनी दी। बैठक में मिश्रा ने सभी प्राचार्यों से नियमित रूप से कक्षा अवलोकन तथा अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतु बैठक के आयोजन एवं अन्य शालेय गतिविधियों के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को भी नियमित रूप से शालाओं का भ्रमण कर शिक्षा गुणवत्ता के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में श्रीमती मिश्रा ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़ेकसा, आमाडुला, सुरडोंगर, मंगलतराई, घोटिया, बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डौण्डी, बोरगांव, पथराटोला, गुजरा, मरकामटोला, चिपरा, साल्हे, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कुसुमकसा, चिखलाकसा आदि विद्यालयों के परीक्षा परिणामों की विस्तृत समीक्षा की।

मिठाइयों में मिलावट रोकने लिया गया नमूना

बेमेतरा। त्योहारी सीजन को देखते हुए बाजारों में विभिन्न प्रकार की खाद्य सामग्री और मिठाइयों की बिक्री बढ़ गई है। ऐसे समय में खाद्य पदार्थों में मिलावट की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभागीय टीम द्वारा नियमित निरीक्षण और नमूना संकलन की कार्रवाई की जा रही है। जिले में बने खाबो, बने रहिबो 2.0 अभियान के तहत तथा त्यौहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम द्वारा मिठाई निर्माण स्थलों, मिठाई दुकानों, कन्फेक्शनरी के थोक प्रतिष्ठानों, किराना दुकानों एवं होटलों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे जा रहे हैं।

निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को खाद्य परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, अखाद्य रंगों का प्रयोग नहीं करने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने तथा खाद्य पदार्थों को अखबारी कागज में नहीं रखने के निर्देश दिए गए। त्यौहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए विभागीय टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से खोवा, मथुरा पेड़ा, रसगुल्ला, पेड़ा, नमकीन सेव, कुंदा, चमचम, बेसन लड्डू एवं सोनपापड़ी सहित अन्य मिठाइयों के नमूने संकलित किए हैं। अभिहित अधिकारी आशीष यादव एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू कुर्रे ने बताया कि संकलित नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि कोई खाद्य पदार्थ अमानक पाया जाता है, तो संबंधित खाद्य कारोबारियों के विरुद्ध नियमानुसार न्यायालयीन कार्रवाई की जाएगी।

बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार करने वालों पर भी रहेगी नजर

त्यौहारी सीजन के दौरान अक्सर त्यौहार से एक-दो दिन पहले सड़क किनारे अस्थायी पंडाल लगाकर मिठाई एवं अन्य खाद्य सामग्री के स्टॉल लगाए जाते हैं। इनमें कई लोग बिना खाद्य लाइसेंस या पंजीयन के खाद्य कारोबार करते हैं। खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 31 के अनुसार वैध खाद्य लाइसेंस अथवा खाद्य पंजीयन के बिना खाद्य कारोबार करना दंडनीय है। विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों से नियमानुसार वैध लाइसेंस या पंजीयन प्राप्त करने की अपील की है।

उपभोक्ताओं से सावधानी बरतने की अपील

जिला प्रशासन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने उपभोक्ताओं से बाजार में खुले एवं अमानक खाद्य पदार्थों के उपयोग से बचने की अपील की है। कोई भी खाद्य सामग्री खरीदने से पहले उसके पैकेट पर अंकित लेबल, निर्माण तिथि, उपयोग की अंतिम तिथि (एक्सपायरी) एवं अन्य आवश्यक जानकारी अवश्य जांचने की सलाह दी गई है। वहीं खाद्य कारोबारियों से अपील की गई है कि वे वैध खाद्य लाइसेंस अथवा पंजीयन लेकर ही कारोबार संचालित करें। खाद्य पदार्थों की हैंडलिंग स्वच्छ परिसर में स्वस्थ एवं स्वच्छ कर्मचारियों द्वारा की जाए। अमानक खाद्य पदार्थों का विक्रय न करें, अखाद्य रंगों का उपयोग न करें, खाद्य सामग्री को हमेशा ढककर रखें तथा किसी भी प्रकार की मिलावट से बचें। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि त्यौहारी सीजन में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा को लेकर निरीक्षण और नमूना संकलन की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

सिंघौरी स्कूल में 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0 के तहत बिल्व पौधे का किया रोपण

बेमेतरा। पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली संवर्धन के उद्देश्य से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंघौरी में 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान के तहत श्रावण मास के अंतिम सोमवार के इस पावन दिन को यादगार बनाने के लिए बिल्व पौधे का रोपण किया गया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख सरस्वती साहू ने बिल्व पौधे का रोपण करते हुए विद्यार्थियों को पौधरोपण के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा पेड़-पौधों से मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने के लिए प्रेरित किया। शिक्षकों ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम 3.0' अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों की देखभाल एवं संरक्षण भी हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने भी पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। विद्यालय परिवार ने इस अभियान को बच्चों से आस पास पौधा रोपड़ कर आगे बढ़ाते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख सरस्वती साहू सहित शिक्षक देवेंद्र साहू, नुतेश्वर चंद्राकर, प्रशांत बघेल, शशिकला यादव, किरण खरे, धनीराम बंजारे, पूनम साहू एवं विनीता श्रीवास उपस्थित रहे।

शासकीय प्राथमिक शाला आंदू के परिसर में शिक्षकों ने बनाया गया किचन गार्डन

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला आंदू के परिसर में शिक्षक आशीष वर्मा वीरेंद्र बन्छोर एवं अनीश दास मानिकपुरी ने पहल करके पूर्व में बनाए गए बागवानी स्थल पर किचन गार्डन का निर्माण किया है शिक्षकों ने 51 नग मिर्ची के पौधे लगाए साथ ही साथ तीन नग आम के पौधे धनिया एवं मेथी के पौधों के लिए बीजरोपण किया शिक्षकों ने बताया कि पूर्व में बनाए गए बागवानी को ग्राम के असामाजिक तत्वों ने उजाड़ दिया था इस वर्ष बच्चों को अपने स्कूल के किचन गार्डन से हरी साग सब्जी मिल सके इसके लिए शिक्षकों की ओर से एक पहल की जा रही है जिससे किचन सेड स्थल के समीप ही किचन गार्डन का निर्माण किया गया है निकट भविष्य में शिक्षकों ने बताया कि और भी साग सब्जी के पौधे रोपित किए जाएंगे बच्चों को निकट भविष्य में पौष्टिक सब्जी मिल सके इसके लिए शिक्षकों ने भाजी के बीज रोपण किए जाने की बात भी की है शिक्षक आशीष वर्मा ने बताया कि पूर्व वर्ष में भी इस तरह की पहल की गई थी जिसका फायदा बच्चों को मिला था किंतु घेरे के अभाव एवं पानी की कमी के चलते तथा स्कूल अवकाश के समय असामाजिक तत्वों के द्वारा किचन गार्डन एवं बागवानी में तोड़फोड़ कर दी जाती है जिससे इस महती की योजना को नुकसान पहुंचता है शिक्षक ने बताया कि बागवानी एवं किचन गार्डन की देखरेख स्कूल के विद्यार्थी ही करते हैं जिससे न केवल बच्चों में किचन गार्डन के प्रति उत्सुकता एवं जागरूकता पैदा होती है कहीं ना कहीं बच्चे प्रकृति के समीप भी होते हैं इससे सीखो और करके सीखों की अवधारणा से जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान स्वस्थ खान-पान के प्रति जागरूकता विकसित हो इस कारण से यह पहल की जा रही है

ग्राम कुमुड़कट्टा की कुसुम सिन्हा बनी बिहान योजना से लखपति दीदी

दल्लीराजहरा। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली एक साधारण गृहिणी आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। डौंडी विकासखंड स्थित वनांचल ग्राम कुमुड़कट्टा की कुसुम सिन्हा ने राज्य सरकार की 'बिहान' योजना से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति बदली, बल्कि आज एक सफल 'लखपति दीदी' के रूप में पहचान बनाई है।कुसुम सिन्हा 'जय मां पहाड़ों वाली स्व-सहायता समूह' की अध्यक्ष हैं, जिसमें 12 महिलाएं सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। समूह के जरिए महिलाएं अचार, रंगोली और मौसमी उत्पादों का निर्माण करती हैं। रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर समूह ने कुछ माह पहले से ही बड़े पैमाने पर पर्यावरण-अनुकूल और पारंपरिक राखियों का निर्माण शुरू किया था।कुसुम सिन्हा और उनके समूह द्वारा धान, चावल, गेहूं, मूंग, बांस और ऊन से तैयार की जा रही कलात्मक एवं इको-फ्रेंडली राखियों की भारी मांग बालोद सहित आसपास के कई जिलों में है। समूह द्वारा अब तक लगभग 12,000 राखियां बनाकर बेचा जा चुका है। इस सीजन में उन्हें राखी निर्माण से करीब 7 लाख रुपए तक की आय होने की उम्मीद है। आजीविका संवर्धन में उत्कृष्ट कार्य के लिए कुसुम सिन्हा को जिला एवं राज्य स्तर पर 'लखपति दीदी' के रूप में सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अन्य ग्रामीण महिलाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि घर से बाहर निकलकर स्वरोजगार अपनाने से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में नई पहचान मिलती है। सिन्हा ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को अपने बड़े भाई के रूप में संबोधित करते हुए आभार जताया और उन्हें रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना और बिहान जैसी पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही हैं—जो बहनों की तरक्की।

संक्षिप्त समाचार

बाइक को 500 मीटर तक घसीटती चली गई तेज रफ्तार कार,दो युवक गंभीर

रायपुर। छुईखदान थाना क्षेत्र के जोरातराई रोड पर रविवार रात तेज रफ्तार का खौफनाक मंजर देखने को मिला. धमधा से लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को सामने से आ रही तेज रफ्तार सफेद कार ने जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक कार में फंस गई और कार उसे करीब 500 मीटर तक घसीटती चली गई. हादसे में बाइक सवार हुलास साहू और योगेश साहू, निवासी मदनपुर खैरागढ़, गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक दोनों युवक रविवार रात बाइक से धमधा की ओर से वापस लौट रहे थे. इसी दौरान जोरातराई रोड के पास सामने से आ रही सफेद कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद भी कार नहीं रुकी और बाइक कार में फंसकर काफी दूर तक घिसटती चली गई. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. घायलों को तत्काल धमधा के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें भिलाई रेफर कर दिया. बताया जा रहा है कि घायलों में से एक की हालत नाजुक बनी हुई है. इधर घटना की जानकारी मिलते ही घायलों के परिजन छुईखदान थाने पहुंचे और कार चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई. परिजनों ने कार चालक पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाया है. छुईखदान थाना प्रभारी बिलकिस बानो ने बताया कि घायलों के परिजनों की शिकायत पर कार चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और कार चालक की भूमिका क्या रही, इसकी भी पड़ताल की जा रही है.

महतारी वंदन योजना से बेटी के भविष्य को संवार रही भानमती

रायपुर। राज्य शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रभावी साबित हो रही है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की जा रही है, जो महिलाओं की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ ही उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है। कोण्डागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा निवासी भानमती बघेल के लिए भी महतारी वंदन योजना आर्थिक मजबूती और आत्मविश्वास का आधार बनी है। भानमती ने बताया कि योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि से वह अपनी तीन वर्षीय बेटी देवांशी बघेल के भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही हैं। उनका कहना है कि आज की छोटी-सी बचत आने वाले समय में बेटी की पढ़ाई और बेहतर भविष्य के लिए बड़ा सहारा बनेगी। भानमती ने कहा कि महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि ने उन्हें अपने परिवार की जरूरतों के साथ-साथ बेटी के भविष्य के लिए नियमित रूप से बचत करने का अवसर दिया है। उन्होंने महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए राज्य शासन द्वारा संचालित इस योजना के प्रति आभार व्यक्त किया। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर भानमती ने कहा कि विष्णु भईया द्वारा महिलाओं को दी जा रही महतारी वंदन योजना की राशि भाई-बहन के रिश्ते में स्नेह और विश्वास को और मजबूत करने का माध्यम बन रही है। उनके लिए यह सहायता राशि केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि अपनी बेटी के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए एक मजबूत आधार भी है।

तालाब में पाली मछलियां, मुनाफे से संवारी जिंदगी–शंकर कुड़ियम बने आत्मनिर्भरता की मिसाल

रायपुर। जिले के ग्रामीण अंचलों में शासकीय योजनाएं किसानों और ग्रामीणों के लिए आय के नए अवसर खोल रही हैं। मत्स्य पालन विभाग के मार्गदर्शन एवं योजनाओं का लाभ लेकर जिले के शंकर कुड़ियम ने निजी तालाब में मछली पालन को आय का बेहतर साधन बनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। शंकर कुड़ियम ने 0.45 हेक्टेयर निजी तालाब में मछली पालन का कार्य शुरू किया। मत्स्य पालन विभाग द्वारा तालाब की तैयारी में मार्गदर्शन देने के साथ मत्स्य पालन प्रसार योजना के अंतर्गत 50 प्रतिशत अनुदान पर उन्नत मत्स्य बीज एवं मछली पकड़ने के लिए जाल सामग्री उपलब्ध कराई गई। शासकीय योजना से मिले सहयोग और तकनीकी मार्गदर्शन से उन्हें मछली पालन को व्यवस्थित एवं लाभकारी तरीके से संचालित करने में मदद मिली। शंकर कुड़ियम ने अपने तालाब से 594 किलोग्राम मछली का उत्पादन प्राप्त किया। इस व्यवसाय में उनकी कुल लागत 0.350 लाख (35 हजार) रही, जबकि उन्होंने 1.306 लाख (1 लाख 30 हजार 600 रुपये) की कुल आय अर्जित की। इस तरह उन्हें 0.956 लाख यानी 95,600 का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। यह सफलता बताती है कि यदि स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए वैज्ञानिक पद्धति और शासकीय योजनाओं का लाभ लिया जाए, तो मत्स्य पालन ग्रामीण परिवारों के लिए आय का मजबूत एवं टिकाऊ माध्यम बन सकता है। मत्स्य पालन विभाग के मार्गदर्शन और शासकीय योजना के सहयोग से शंकर कुड़ियम ने मछली पालन को सफल व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है।

बहनों ने बांधी स्नेह की डोर

'विष्णु भैया' ने बहनों को दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसा

- बहनों के स्नेह से सजी 'विष्णु भैया' की कलाई, सुरक्षा-सम्मान का लिया संकल्प
- बहनों के 'विष्णु भैया' बने मुख्यमंत्री श्री साय, राखी के साथ मिला स्नेह और विश्वास

रायपुर/ संवाददाता

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले राजधानी रायपुर में आज भाई-बहन के स्नेह और राष्ट्ररक्षा के संकल्प का भावपूर्ण संगम देखने को मिला। बलवीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर जब स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने रक्षा सूत्र बांधे तो पूरा वातावरण आत्मीयता, सम्मान और कृतज्ञता के भाव से भर उठा। कार्यक्रम का सबसे भावुक क्षण तब आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। मुख्यमंत्री इस अवसर पर भावुक हो उठे। उन्होंने शहीद श्री वर्मा के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए शहीद जवानों के परिवारों के साथ सदैव खड़े रहने का संकल्प दोहराया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राखी का यह धागा केवल भाई-बहन के स्नेह का बंधन नहीं, बल्कि एक शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। हमारे वीर जवानों का बलिदान और उनके परिवारों का त्याग छत्तीसगढ़ कभी नहीं भूल सकता। शहीदों के परिवार हमारे अपने परिवार हैं और उनके सम्मान, स्वाभिमान तथा हर सुख-दुःख में उनके साथ खड़े रहने का यह रिश्ता सदैव अटूट रहेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि देश और छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए हमारे सुरक्षा बलों ने अदम्य

साहस का परिचय दिया है और अनेक जवानों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है। नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ हमारी बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। अब वह समय आ रहा है जब नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग नहीं उजड़ेगा, किसी मां को अपना बेटा नहीं खोना पड़ेगा और किसी बहन को अपने भाई के सकुशल घर लौटने की चिंता नहीं सताएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प तथा सुरक्षा बलों के साहस और पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता ने बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ में शांति और विकास के नए युग का मार्ग प्रशस्त किया है। इस परिवर्तन में बस्तर की जनता का विश्वास और सहयोग भी महत्वपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब बस्तर की पहचान हिंसा से नहीं, बल्कि शांति, विकास, समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पर्यटन और नई संभावनाओं से होगी। लंबे समय तक नक्सलवाद के कारण विकास से वंचित रहे क्षेत्रों तक सड़क, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य, संचार और रोजगार के अवसर तेजी से पहुंचाए जा रहे हैं। सरकार का संकल्प बस्तर को देश के श्रेष्ठ और विकसित आदिवासी अंचलों में शामिल करना है। 'स्नेह की डोर' कार्यक्रम में सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, सीआरपीएफ, सेना और पुलिस के लगभग 800 जवान शामिल हुए। स्कूली छात्राओं, दिव्यांग बेटियों, स्वच्छता दीदियों, ड्रोन दीदियों, लखपति दीदियों और महिला स्व-सहायता समूहों की बहनों ने जवानों की कलाइयों पर राखी बांधी और राष्ट्र तथा समाज की सुरक्षा में उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में ऐसा आत्मीय और अद्भुत दृश्य पहली बार देखा है।

विष्णु के सुशासन में गांव की बेटियां बन रहीं आत्मनिर्भर....

- बिहान से मिला संबल, विष्णु भैया की योजनाओं ने बढ़ाया आत्मविश्वास

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में लागू हो रहे विष्णु के सुशासन का लाभ गांव-गांव तक पहुंच रहा है। शासन की योजनाओं और ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त बनने के साथ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत चुकतीपानी की श्रीमती बबली यादव ऐसी ही मेहनतकश महिला हैं, जिन्होंने विष्णु भैया की सरकार की योजनाओं से मिले अवसरों को अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से सफलता में बदला है। बबली यादव जागृति महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष हैं। उन्होंने समूह के माध्यम से ऋण प्राप्त कर कंप्यूटर खरीदा और अपने घर पर ही फोटो कॉपी एवं कंप्यूटर संबंधी कार्य शुरू किया। गांव में ही यह सुविधा उपलब्ध होने से ग्रामीणों को आवश्यक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता। वहीं बबली को नियमित आय का साधन भी मिल गया। एक छोटे से प्रयास ने उनके आत्मविश्वास को नई उड़ान दी और उन्हें आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया। बबली यादव ने अपनी आय बढ़ाने के लिए खेती-किसानी से जुड़े कार्यों को भी अपनाया। उन्होंने मशरूम उत्पादन शुरू किया, जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी होने लगी। इसके साथ ही वे पीजी समूह के माध्यम से महुआ खरीदी का कार्य भी कर रही हैं। इस पहल से उन्हें आय का एक और साधन मिला है और स्थानीय स्तर पर ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों के अवसर भी बढ़े हैं। बबली यादव बताती हैं कि फोटो कॉपी एवं कंप्यूटर कार्य, मशरूम उत्पादन और महुआ खरीदी जैसे विभिन्न कार्यों से उनकी मासिक आय लगभग 10 हजार रुपये तक हो जाती है।

ई-रिक्शा में धक्का-मुक्की के बीच सोने की चेन पार, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी रायपुर में महिला अधिकारी के साथ चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई है. जेल रोड से पेंशनबाड़ा के बीच ई-रिक्शा में महिला अधिकारी के गले से सोने की चेन पार कर दी गई. बताया जा रहा है कि घटना के तीन दिन बाद कोतवाली थाना में रिपोर्ट लिखाई गई है. पीड़िता जनता कॉलोनी गुढ़ियारी निवासी मंजूलता साहू राज्य परिवहन कार्यालय समग्र शिक्षा, रायपुर में सहायक संचालक हैं. जानकारी के मुताबिक, घटना 18 अगस्त की सुबह की है. करीब सुबह 10:15 बजे मंजूलता साहू दोपहिया से पेंशनबाड़ा स्थित बोर्ड ऑफिस जाने के लिए निकली थीं. रास्ते में बारिश तेज होने से ई-रिक्शा में सवार हो गईं. ई रिक्शा खालसा स्कूल होते हुए आम्बेडकर चौक पहुंचा।

बहनों की बेहतरी विष्णु भैया का मान

महतारी वंदन योजना की किश्त मिलने से उत्साहित हैं महिलाएं...

- महतारी वंदन योजना से बबीता ठाकुर के जीवन में आई खुशहाली

रायपुर/ संवाददाता

महतारी वंदन योजना प्रदेश की माताओं बहनों के लिए आर्थिक संबल और आत्मनिर्भरता का माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत मिलने वाली राशि से महिलाएं अपनी रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ बच्चों की पढ़ाई और घर परिवार की जरूरत में भी सहयोग कर पा रही हैं। रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा महतारी वंदन योजना की राशि प्रदान किए जाने से इन महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बस्तर जिले के तोकापाल निवासी बबीता ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना उनके जैसे अनेक परिवारों के लिए मुश्किल समय में सहारा बनकर आई है। उन्होंने बताया कि योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग बच्चों की दैनिक उपयोग की सामग्री खरीदने में भी किया जा रहा है। साथ ही घरेलू कार्य के लिए भी उपयोग कर रही हैं। उन्होंने भावुक होकर कहा कि इस योजना की 31 वीं किस्त की राशि मिलने से उनके परिवार के सदस्य खुश हैं। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व पर मिली एक हजार रुपये की राशि से उन्होंने मिठाइयां, उपहार और राखी जैसी आवश्यक वस्तुएं खरीदने में मदद मिलेगी। बबीता ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु भैया ने रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं को आर्थिक सहायता देकर उनके त्योहार की खुशियों को और अधिक बढ़ा दिया है।

राजधानी रायपुर में धोखाधड़ी और चोरी के सात मामले दर्ज

- 36.50 लाख की ठगी से लेकर वाहन चोरी तक

रायपुर/ संवाददाता

राजधानी रायपुर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में धोखाधड़ी, वाहन चोरी, सोने के आभूषण की चोरी और मारपीट के कई मामले सामने आए हैं। पुलिस ने संबंधित मामलों में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इनमें शेयर बाजार में अधिक मुनाफे का झांसा देकर 36 लाख 50 हजार रुपये की धोखाधड़ी का मामला भी शामिल है। दीनदयाल उपाध्याय नगर थाना क्षेत्र में अवकाश श्रीवास्तव ने शिकायत दर्ज कराई कि मोबाइल फोन धारक ने उन्हें शेयर बाजार में कारोबार के नाम पर अधिक मुनाफा कमाने का झांसा दिया। आरोपी के बताए बैंक खाते में अलग-अलग किस्तों में कुल 36 लाख 50 हजार रुपये जमा कराए गए। रकम वापस नहीं करने पर पीड़ित ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में थाना परिसर के बाहर पार्किंग स्थल से हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एमवी 0787 चोरी हो गई। वाहन की कीमत करीब 20 हजार रुपये बताई गई है। सौरभ शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। गोलबाजार थाना क्षेत्र में जवाहर बाजार के पास एक दुकान में सामान खरीदने पहुंची वांशिका मानिकपुरी के गले से अज्ञात चोर ने सोने का एक लॉकेट, जिसकी कीमत करीब 6 हजार रुपये है, चोरी कर लिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। कबीर नगर थाना क्षेत्र की बीएसयूपी कॉलोनी में साहेब आलम ने रेहान सहित अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने टिप्पणी को लेकर विवाद किया। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के से मारपीट कर चोट पहुंचाई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

भाई का स्नेह, बहनों का अधिकार, विष्णु भैया के साथ आत्मनिर्भर परिवार

रायपुर। महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनके परिवारों की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। योजना के तहत 30वीं किस्त की राशि मिलने से मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के मोहला विकासखंड के ग्राम एकटकन्हार निवासी हितग्राही श्रीमती गनिता बोदले की रक्षाबंधन की खुशियां दोगुनी हो गई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को 'विष्णु भैया' कहते हुए योजना के लिए आभार व्यक्त किया। श्रीमती गनिता बोदले ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत उन्हें हर माह एक हजार रुपए की सहायता राशि नियमित रूप से प्राप्त हो रही है। इस राशि का उपयोग वे घरेलू जरूरतों, परिवार के खर्च और अपनी छोटी बेटी की देखभाल में करती हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति ड्राइवर का कार्य करते हैं, ऐसे में महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि परिवार के लिए आर्थिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम बनी है। गनिता ने कहा कि रक्षाबंधन से पहले महतारी वंदन योजना की 30वीं किस्त की राशि खाते में आने से उन्हें काफी खुशी हुई है। इस राशि से वे अपने भाइयों के लिए राखी और मिठाई खरीदेंगी। उन्होंने कहा कि त्योहार के समय मिलने वाली यह सहायता परिवार की छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में काफी मददगार साबित होती है।

बिहान योजना से पेड़ना महिला समूह ने संवारी आत्मनिर्भरता की राह

- कैंटीन संचालन से बढ़ी आमदनी, हर माह 35 से 40 हजार रुपए की आय अर्जित कर रहीं समूह की महिलाएं
- रक्षाबंधन के पूर्व महतारी वंदन योजना की सहायता राशि देने के लिए विष्णु भैया को दिया धन्यवाद

रायपुर/ संवाददाता

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से मिली सहायता और महिलाओं की मेहनत ने बस्तर जिले की पेड़ना महिला स्व सहायता समूह को आत्मनिर्भरता की नई राह दिखाई है। समूह की महिलाओं ने छोटी-छोटी बचत से शुरू किया सफर आज कैंटीन संचालन और भोजन-जलपान की आपूर्ति तक पहुंच चुका है। समूह द्वारा जनपद पंचायत परिसर तोकापाल में संचालित कैंटीन के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती मरीजों के लिए भोजन, जनपद पंचायत की बैठकों में चाय-नाश्ता तथा विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय आने वाले ग्रामीणों तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को भी नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। पेड़ना महिला समूह की अध्यक्ष शालिनी नाग बताती हैं कि वर्ष 2019 में 10 महिलाओं ने मिलकर स्व सहायता समूह का गठन किया था। समूह का उद्देश्य नियमित बचत के साथ महिलाओं को आयमूलक गतिविधियों से जोड़ना था। महिलाओं ने आपसी सहयोग और छोटी-छोटी बचत के माध्यम से महज एक वर्ष में करीब डेढ़ लाख रुपए की राशि जमा कर ली। इसके बाद राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के बैंक लिंकेज कार्यक्रम से समूह को आर्थिक सहायता मिली, जिसके माध्यम से महिलाओं ने अपनी गतिविधियों को आगे बढ़ाया। समूह पिछले दो वर्षों से जनपद पंचायत परिसर में कैंटीन का संचालन कर रहा है। गतिविधि के विस्तार के लिए समूह ने बैंक से दो लाख रुपए का ऋण भी प्राप्त किया है। इससे कैंटीन की क्षमता बढ़ी और बड़े स्तर पर जलपान एवं भोजन आपूर्ति के ऑर्डर मिलने लगे। परिणामस्वरूप समूह की आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। समूह की सचिव विमला मौर्य बताती हैं कि तोकापाल ब्लॉक मुख्यालय होने के कारण यहां समय-समय पर विभिन्न विभागों और संस्थाओं द्वारा बैठकें एवं सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कवर्धा की प्रतिभा एक दिन बनेगी देश का गौरव-उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

उप मुख्यमंत्री ने 171 मेधावियों का किया सम्मान प्रतिभा को मिला बड़ा मंच और सपनों को नई उड़ान

- पहली बार इतने बड़े स्तर पर हुआ आयोजन, वनांचल और दूरस्थ क्षेत्रों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी मिला सम्मान

रायपुर/ संवाददाता

मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर सफलता हासिल करने वाले कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के 171 मेधावी विद्यार्थियों के लिए यह दिन खास और यादगार रहा। पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम, कवर्धा में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह में उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि के चेक एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कवर्धा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर आयोजित इस समारोह में वनांचल क्षेत्र के विद्यालयों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस पहल ने ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा को पहचान और प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। समारोह के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने विद्यार्थियों से आत्मीयता के साथ सीधा संवाद किया। उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताया, उनकी पढ़ाई और रुचियों के बारे में जाना तथा उनके सवालों और जिज्ञासाओं पर चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरक पुस्तकें भी भेंट कीं, ताकि उनमें पढ़ने और सीखने की आदत को और बढ़ावा मिले। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों के साथ सेल्फी लेकर उनके साथ खुशियां भी साझा कीं। कार्यक्रम की एंकर अनुराधा दुबे ने भी अपनी प्रेरक और उत्साहवर्धक बातों से विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। पूरे समारोह में विद्यार्थियों में उत्साह और खुशी का माहौल रहा। सम्मान, संवाद और प्रोत्साहन से भरे इस आयोजन ने मेधावी विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को और निखारने तथा भविष्य में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए नई ऊर्जा दी। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा की धरती प्रतिभाओं से भरी हुई है। आज सम्मानित हो रहे ये मेधावी विद्यार्थी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर आने वाले समय में नई ऊंचाइयां हासिल करेंगे।

संपादकीय

दागियों के भरोसे लोकतंत्र? मुकदमों के घेरे में 300 से ज्यादा सांसद

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।किसी भी समाज में यह उम्मीद की जाती है कि उनके जनप्रतिनिधि में उच्च स्तर की ईमानदारी, बेदाग छवि और दूरदर्शी सोच होनी चाहिए। एक आदर्श राजनेता उसे कहा जाता है, जो व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर राष्ट्र और समाज के कल्याण को प्राथमिकता दे। मगर जब कोई नेता गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो वह जनता की अपेक्षाओं की कसौटी पर कितना खरा उतर पाएगा, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल एक हलफनामे में बताया गया कि देश भर में सांसदों और विधायकों के खिलाफ चार हजार से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें तीन सौ से ज्यादा सांसद तथा चौदह मुख्यमंत्री भी शामिल हैं। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि राजनीति में शुचिता के मानदंडों पर क्या सही मायने में अमल हो पा रहा है? साथ ही इस पर भी गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि राजनेताओं के लिए विशेष व्यवस्था के बावजूद उनके खिलाफ मुकदमे के निपटारे में इतना लंबा वक्त क्यों लग जाता है।

देश की राजनीति में आपराधिक मामलों का सामना कर रहे नेताओं को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। इस मुद्दे पर अलग-अलग समय में बहस और चर्चाएं भी होती रही हैं। इसके बावजूद विधायिका में ऐसे जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति बनी हुई है, जिनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सवाल सिर्फ मुकदमे जल्दी निपटाने का नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध राजनीति में आपराधिक छवि के लोगों की मौजूदगी और जवाबदेही से भी है।इसमें दो राय नहीं कि किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक मामला लंबित होना और उसका अपराध साबित होना दो अलग-अलग बातें हैं। मुकदमे का सामना करने वाले व्यक्ति को तब तक अपराधी नहीं ठहराया जा सकता, जब तक उसे अदालत से दोषी न करार दिया जाए। मगर सवाल यह भी है कि जो समाज अपने नेता को एक आदर्श व्यक्ति के रूप में देखता है, अगर वह गंभीर आरोपों में घिरा हो, तो उसे किस तरह देखा जाएगा?क्या इससे ईमानदार राजनीति की शुचिता प्रभावित नहीं होगी? नैतिकता का तकाजा तो यही है कि जब किसी जनप्रतिनिधि पर गंभीर आरोप लगें, तो वह विधायी पद से खुद को अलग कर ले, लेकिन आज के समय में ऐसे उदाहरण दुर्लभ हैं।

सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन जेड बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन जेड बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है?

क्या जेन-जेड होना सुरक्षा नियम तोड़ने का लाइसेंस है? कारगिल में महिला पर्यटक के आचरण से उठे कई गंभीर सवाल

(नीरज कुमार दुबे)

बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। सोशल मीडिया पर इस समय एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक महिला पर्यटक भारतीय सेना के जवानों के साथ बहस कर रही है और खुद को जेन जेड बताकर सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती दे रही है। शायद इस महिला को पता नहीं कि सीमा पर खड़े सैनिक की ड्यूटी कोई पर्यटन सेवा नहीं है और राष्ट्रीय सुरक्षा कोई ऐसी व्यवस्था नहीं है जिसे किसी पर्यटक की सुविधा, बहस या अधिकारों के नाम पर दरकिनार कर दिया जाए। साथ ही वीडियो में महिला खुद को जेन जेड बताते हुए यह कहती सुनाई देती है कि वह यह बकवास बर्दाश्त नहीं करेगी। यहां सवाल यह उठता है कि क्या किसी पीढ़ी का टैग राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल से ऊपर हो सकता है? बताया जा रहा है कि वायरल वीडियो में दिखी घटना कारगिल सेक्टर के एक संवेदनशील हाई-एल्टीट्यूड चेक पोस्ट की है, जहां पर्यटकों के एक समूह को प्रतिबंधित दिशा में आगे बढ़ने से रोका गया। बताया जा रहा है कि संबंधित क्षेत्र में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुमति और सुरक्षा नियम लागू थे। एक अन्य विवरण में इसे मिनामार्ग या मिनीमार्ग चेक पोस्ट के पास अस्थायी सड़क प्रतिबंध से जुड़ा बताया गया है। वीडियो में दिख रही तस्वीर बेहद स्पष्ट है। एक तरफ शांत रहकर सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन कराने की कोशिश करता जवान और दूसरी तरफ अपनी यात्रा, दूरी और अधिकारों का हवाला देकर बहस करता पर्यटक समूह। महिला पर्यटक का यह तर्क कि हम जेन जेड हैं, हम यह सब बर्दाश्त नहीं करेंगे, दरअसल उस मानसिकता को उजागर करता है जिसमें व्यक्तिगत सुविधा को व्यवस्था और सुरक्षा से ऊपर मान लिया जाता है। जेन जेड होना न कोई विशेष सुरक्षा पास है, न ही यह कानून और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रोटोकॉल को चुनौती देने का लाइसेंस है। सेना यह नहीं देखती कि सामने खड़ा व्यक्ति किस पीढ़ी का है; उसे यह देखना होता है कि सीमा सुरक्षित रहे, कोई संदिग्ध गतिविधि न हो और कोई नागरिक अनजाने में किसी खतरे की जद में न पहुंच जाए। देखा जाये तो कारगिल और नियंत्रण रेखा के आसपास के इलाके सामान्य पर्यटन स्थल नहीं हैं। यह वही संवेदनशील भूभाग है जहां भारत ने युद्ध का सामना किया है, जहां घुसपैठ और आतंकी गतिविधियों का इतिहास रहा है और जहां मौसम, दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां तथा सैन्य गतिविधियां हर समय सुरक्षा की अलग चुनौतियां पैदा करती हैं। ऐसे में सड़क बंद होना, आवाजाही नियंत्रित होना, चेकिंग होना या किसी क्षेत्र में प्रवेश के लिए अनुमति मांगना कोई एंटी-टूरिस्ट रवैया नहीं, बल्कि एक जरूरी सुरक्षा व्यवस्था है। सेना और सुरक्षा एजेंसियों को वहां इसलिए तैनात रहना पड़ता है क्योंकि सीमावर्ती इलाकों में खतरे केवल दिखाई देने वाले नहीं होते। कई बार खुफिया सूचना के आधार पर तलाशी या घेराबंदी की जरूरत पड़ सकती है। कभी सैन्य काफिले की आवाजाही होती है, कभी खराब मौसम या भूस्खलन के कारण रास्ता असुरक्षित हो जाता है और कभी किसी संभावित खतरे को देखते हुए नागरिकों की आवाजाही अस्थायी रूप से रोकी जाती है। ऐसे निर्णय किसी एक पर्यटक को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि दर्जनों या सैकड़ों लोगों की जान बचाने के लिए लिए जाते हैं। बर्फीली चोटियों, दुर्गम सड़कों और हर वक्त मौजूद संभावित खतरे के बीच जवान इसलिए तैनात है ताकि देश के नागरिक सुरक्षित रहें और पर्यटन जैसी सामान्य गतिविधियां भी संभव हो सकें। ऐसे में किसी पर्यटक का जवानों से यह पूछना कि रास्ता आखिर क्यों बंद किया गया है, हर परिस्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता, क्योंकि सुरक्षा बलों के पास मौजूद खुफिया जानकारी, किसी विशेष इनपुट या चल रहे ऑपरेशन का कारण सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। कई बार एक मामूली-सा खुलासा भी सुरक्षा अभियान और जवानों की जान को जोखिम में डाल सकता है। देश पुलवामा में सुरक्षा बलों के

काफिले पर हुए आतंकी हमले की भयावहता देख चुका है और पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए आतंकी हमले की त्रासदी भी झेल चुका है। ऐसे अनुभव साफ बताते हैं कि संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा को लेकर एक छोटी-सी चूक कितनी भारी पड़ सकती है। इसलिए पर्यटकों को यह समझना होगा कि जब सेना या सुरक्षा बल किसी रास्ते को बंद करते हैं या आगे बढ़ने से रोकते हैं, तो हर निर्णय के पीछे की वजह कैमरे के सामने बताना संभव नहीं होता।

ऐसे में जवान से बहस करना, वीडियो बनाकर उस पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाना या सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़ा करना केवल असंवेदनशीलता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा की गंभीरता को न समझ पाने का उदाहरण है। सुरक्षा के मामले में सहयोग और धैर्य ही समझदारी है, क्योंकि कई बार जिस खतरे को आम नागरिक देख नहीं सकता, उसे रोकने के लिए ही जवान वहां खड़ा होता है। साथ ही वायरल हो रहे वीडियो में पर्यटक समूह के कुछ सदस्य यह कहते भी दिखाई देते हैं कि वे सैकड़ों किलोमीटर दूर से वहां पहुंचे हैं। लेकिन ऐसे लोगों को समझना होगा कि लंबी यात्रा किसी प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश का अधिकारपत्र नहीं बन जाती। यदि किसी क्षेत्र के लिए परमिट जरूरी है तो पहले उसकी जानकारी लेना और नियमों का पालन करना पर्यटक की जिम्मेदारी है। विशेष रूप से लद्दाख और अन्य संरक्षित सीमावर्ती क्षेत्रों में नियम परिस्थितियों और सुरक्षा स्थिति के अनुसार बदल सकते हैं। सैन्य प्रतिष्ठानों, चेक पोस्टों और रणनीतिक स्थानों पर फोटोग्राफी या वीडियोग्राफी भी प्रतिबंधित हो सकती है। इस पूरे प्रकरण का सबसे चिंताजनक पहलू वह भाषा और रवैया है, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था को व्यक्तिगत अधिकारों के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश दिखाई देती है। लोकतंत्र में सवाल पूछने का अधिकार है, लेकिन संवेदनशील सैन्य चौकी पर ऑपरेशन या सुरक्षा प्रतिबंध के दौरान बहस करके आदेश बदलवाने का अधिकार किसी को नहीं है। संसद, टैक्स या किसी पीढ़ी का नाम लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों को चुनौती देना न तो लोकतंत्र को मजबूत करता है और न ही नागरिक अधिकारों की रक्षा करता है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर इस वीडियो को लेकर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली जोकि स्वाभाविक है। लोगों ने महिला पर्यटक और उसके साथियों के रवैये को अहंकारी और गैर-जिम्मेदाराना बताया है। जेन जेड वाली टिप्पणी पर मीम्स भी बन रहे हैं, लेकिन इस घटना को केवल मनोरंजन के रूप में देखने की बजाय इससे एक गंभीर सबक लेने की जरूरत है। कैमरे के सामने हंगामा करके वायरल होना आसान है, लेकिन सीमा की सुरक्षा में एक छोटी-सी चूक की कीमत कितनी बड़ी हो सकती है, इसका अंदाजा वहां तैनात जवान को हमसे कहीं बेहतर है। यह चेतावनी केवल उस महिला पर्यटक के लिए नहीं, बल्कि उन सभी लोगों के लिए है जो सोशल मीडिया की लोकप्रियता, व्यक्तिगत सुविधा या पीढ़ीगत पहचान के नाम पर सुरक्षा नियमों को हल्के में लेते हैं। राष्ट्र की सुरक्षा किसी हैशटैग, नारे या वायरल वीडियो के हिसाब से नहीं चल सकती। सीमा पर तैनात सैनिक को अपना काम करने दीजिए।

जनगणना में सिर्फ आबादी नहीं, बदलती जलवायु का हिसाब भी जरूरी

(कुशाग्र राजेंद्र)

आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। देश एक बार फिर जनगणना की तैयारी में है। लंबे अंतराल के बाद होने वाली यह जनगणना स्वाभाविक रूप से अनेक प्रश्नों के केंद्र में है। क्या इसमें जातिगत गणना होगी? इससे कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर क्या प्रभाव पड़ेगा? राज्यों को संसाधनों का बंटवारा किस आधार पर होगा? ये सभी सवाल महत्त्वपूर्ण हैं और लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा भी, लेकिन इनके बीच एक बुनियादी सवाल लगभग अनुपस्थित है और यह कि क्या इक्कीसवीं सदी की जनगणना उन वास्तविकताओं को दर्ज करने के लिए तैयार है, जिनका सामना आज का भारत कर रहा है?जनगणना प्रायः केवल आबादी गिनने की प्रक्रिया मानी जाती है। जबकि यह किसी भी राष्ट्र की प्रशासनिक दृष्टि का दर्पण होती है। कोई भी सरकार जिन बातों को जानना आवश्यक समझती है, वही उसके प्रश्नों में दिखाई देती हैं। इसलिए जनगणना केवल यह नहीं बताती कि देश में कितने लोग हैं, बल्कि यह भी बताती है कि राज्य अपने समाज को किस नजर से देख रहा है और भविष्य की चुनौतियों को किस प्रकार समझना चाहता है। स्वतंत्र भारत की जनगणना समय के साथ बदलती रही है। आवास, पेयजल, शौचालय, बिजली, रसोई ईंधन, बैंकिंग सुविधा, मोबाइल फोन और इंटरनेट जैसी जानकारियां इनमें क्रमशः जुड़ती गईं। इनसे शासन को विकास योजनाएं बनाने, सामाजिक असमानताओं को समझने और कल्याणकारी कार्यक्रमों को लक्षित करने में बड़ी सहायता मिली। इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिक भारत के निर्माण में जनगणना ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज भारत जिन चुनौतियों का सामना कर रहा है, वे केवल सामाजिक या आर्थिक नहीं हैं। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की वास्तविकता है। उत्तर भारत में तीव्र हो रही लू, भीषण गर्मी, पूर्वी भारत में आकाशीय बिजली गिरने की बढ़ती घटनाएं, असम और बिहार में बार-बार आने वाली बाढ़, बुंदेलखंड और दक्षिण में गहराता जल संकट, हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन और हिमनद झीलों के फटने का खतरा तथा पश्चिमी भारत में भूजल का लगातार गिरता स्तर, ये सभी घटनाएं अब अलग-अलग पर्यावरणीय समस्याएं नहीं रहीं। इनका सीधा असर खेती, रोजगार, स्वास्थ्य, पलायन और स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। विडंबना यह है कि इन परिवर्तनों को समझने के लिए हमारे पास अलग-अलग विभागों में बहुत-सी सूचनाएं उपलब्ध हैं, लेकिन वे एक-दूसरे से जुड़ती नहीं हैं। मौसम का आंकड़ा एक संस्था के पास है, भूजल का दूसरे के पास, कृषि का तीसरे के पास और जनसंख्या का चौथे के पास। परिणाम यह है कि हमें यह तो पता है कि किसी गांव में कितने परिवार रहते हैं, लेकिन यह व्यवस्थित रूप से नहीं पता कि सूखते तालाब, घटता भूजल, बदलती फसलें या बार-बार आने वाली आपदाएं वहां के लोगों के जीवन और आजीविका को किस प्रकार बदल रही हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में समस्या केवल आंकड़ों की कमी नहीं है। समस्या यह है कि हमारे पास जीवन और पर्यावरण को एक साथ देखने वाली सूचना व्यवस्था नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि भारत के प्रशासनिक इतिहास में ऐसी समग्र दृष्टि के उदाहरण पहले से मौजूद हैं। इसका एक उदाहरण 1887 में तत्कालीन मारवाड़ राज्य में जनगणना के लिए तैयार की गई ग्राम प्रश्नावली है। यह केवल गांव की आबादी या राजस्व का ब्योरा भर नहीं मांगती थी। इसमें कुओं और तालाबों की संख्या, पानी की गुणवत्ता, मिट्टी का प्रकार, चरागाह, वृक्षों की प्रजातियां, पशुधन, स्थानीय फसलें, कुटीर उद्योग, महामारी, अकाल, पलायन, स्थानीय धरोहर और गांव की सामाजिक संस्थाओं तक का विवरण दर्ज करने के 56 प्रश्न थे। गांव को केवल घरों के समूह के रूप में नहीं, बल्कि मनुष्य, प्रकृति और स्थानीय संस्थाओं से मिलकर बने एक जीवंत तंत्र के रूप में देखा गया था। उन्नीसवीं और बीसवीं सदी के प्रारंभिक दशकों में तैयार अनेक जिला गजेटियर और ग्राम अभिलेखों में वर्षा, नदियां, जंगल, मिट्टी, सिंचाई, पशुधन, स्थानीय उद्योग तथा प्राकृतिक संसाधनों यहां तक कि रीति-रिवाज, खान-पान तक का विवरण जनसंख्या संबंधी सूचनाओं के साथ मिलता है। निस्संदेह इन दस्तावेजों का उद्देश्य औपनिवेशिक प्रशासन, राजस्व निर्धारण और अकाल प्रबंधन था, पर्यावरण संरक्षण नहीं। फिर भी उन्होंने गांवों का ऐसा सामाजिक-पर्यावरणीय चित्र सुरक्षित कर दिया, जो आज जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में मूल्यवान स्रोत बन गया है।

'वंदे मातरम्' के अपमान से कांग्रेस के तुष्टिकरण की पोल खुली, नेहरू से लेकर राहुल गांधी तक एक ही पैटर्न?

'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए।

(प्रवीण गुगनानी)

'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है।

एक बंगाली कहावत है – मायेर स्तबेर अर्धेक ग्रहण, अर्धेक बर्जन, ए कैमन सन्तानेर भक्ति? मातृभूमि के स्तुति गीत को आधा स्वीकारना और आधा त्यागना, यह किस प्रकार की संतान की भक्ति है? भद्र बंगाल की सौ वर्षों की व्यथा, वेदना ही इस लोकोक्ति रूप में प्रकट हुई है। भारतीय स्वतंत्रता-संग्राम का शायद ही कोई दूसरा गीत वन्दे मातरम् जितना भावात्मक, राजनीतिक और ऐतिहासिक रहा हो। बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय जी की यह रचना केवल साहित्य नहीं अपितु वह स्वदेशी आन्दोलन, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय जागरण का उद्घट उद्घोष बनी थी। 15 अगस्त, 2026 को कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय दिल्ली में कारित घृणित कृत्य से कांग्रेस का इस्लामिक डीएनए पुनः सिद्ध हो गया है। वंदे मातरम् के इस अपमान के समय नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, दशक भर कांग्रेस अध्यक्ष रही सोनिया गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे उपस्थित थे। दुस्साहस और दुर्भाग्य का विषय यह है कि इन तीनों ने ही वंदे मातरम् के अपमान के इस दुष्कृत्य को प्रारंभ किया था। इस दुर्भाग्यजनक घटना के बाद कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं ने देश को स्पष्टीकरण देना प्रारंभ किया कि - सोनिया गांधी ने वंदे मातरम् का अपमान नहीं किया बल्कि वे बुजुर्ग खड़गे जी को खड़े होने के कारण असहज होता देखकर उनके लिए कुर्सी मंगा रही थी। यहीं से कांग्रेस नेतृत्व की मूढ़ता, राष्ट्र अनास्था व मुस्लिम तुष्टिकरण के पक्ष में दुराग्रह रखने के चरित्र की पुनरावृत्ति दिखाई पड़ती है। इस घटनाक्रम के अंतरतत्व को समझिए। कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ताओं को अपने नेतृत्व द्वारा 'वंदे मातरम्' का यह अपमान बुरा लगा इसलिए ही उन्होंने बिना केंद्र या प्रदेश नेतृत्व के कहे ही इस घटना पर कांग्रेस नेतृत्व का बचाव प्रारंभ कर दिया था। हजारों कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने सोशल मीडिया पर लाखों पोस्ट डाली और कांग्रेस नेतृत्व का बचाव किया। यह 'वंदे मातरम्' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण की कांग्रेसी प्रवृत्ति' के विरोध का प्रतीक था। इस मनोभाव को कांग्रेस के इटालियन नेतृत्व ने समझने का प्रयास ही नहीं किया। कांग्रेस ने इस घटना पर अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नहीं समझा तो भी कोई बात नहीं होती। कांग्रेस ने तो अपनी हठधर्मिता, अड़ियलपन, मति मूढ़ता की हद तो तब दिखा दी जब उसने अपनी राष्ट्रीय वर्किंग कमेटी में 'वंदे मातरम्' को पूर्ण रूप में नहीं गाने के लिए प्रस्ताव ही पारित कर दिया। 'वंदे मातरम्' के हाल ही में किए गए अपराध और अपमान के संदर्भ में कांग्रेस के प्रवक्ता और आधिकारिक व्यक्तव्य जो कह रहे हैं उसमें वे गांधी जी, नेताजी सुभाषचंद्र, गुरुदेव रबिन्द्रनाथ टैगोर आदि का नाम लेते हुए इस गीत के विभाजन को उनकी से हुआ बता रहे हैं। यह एक भ्रमजाल और झूठ का पहाड़ है। गांधी जी तो इस बात के पक्षधर थे कि यह गीत संपूर्ण देश को जोड़ने वाला प्राणतत्त्व है और इसे इसके पूर्ण वैभव के साथ संपूर्णतः स्वीकार किया जाना चाहिए। गांधी जी ने इसके समर्थन में अपनी स्पष्ट राय रखी थी, किंतु जवाहरलाल नेहरू ने तुष्टिकरण की अपनी राजनैतिक कुटिलताओं और प्राथमिकताओं के चलते गांधी जी की एक न चलने दी। इतिहास यह भी है कि, यह दुखद एतिहासिक पृष्ठ रहस्यमयी भी है। रहस्य यह कि - अंततः वह कौन सी कमजोर नस थी,, जिसके आधार पर नेहरू जी ऐसे निर्णय भी गांधी जी से करवा लेते थे जिनके लिए गांधी जी कभी भी तैयार नहीं थे। गांधी जी वंदेमातरम् विभाजन हेतु असहमत थे। गांधी जी बंग-भंग हेतु भी सहमत नहीं थे। गांधी जी ने कहा था कि इस देश का विभाजन मेरी लाश पर होगा। गांधी जी स्वतंत्रता पश्चात् कांग्रेस को विसर्जित करने हेतु भी संकल्पित थे। गांधी जी ने कहा था कि स्वतंत्रता पश्चात् हम एक बूँद की स्याही लेंगे और यह लिख देंगे - इस देश में गौहत्या वैसा ही दंड होगा जैसा मानव हत्या के लिए होता है। स्वच्छता, हिंदी राष्ट्रभाषा, ग्रामवासी भारत आदि हेतु भी गांधी जी प्रतिबद्ध थे। कांग्रेस ने सात दशकों की सत्ता में इन विषयों को त्याज्य रखा। 'भारत में रामराज स्थापना' को कांग्रेस का लक्ष्य बनाया था किंतु 'नेहरू-गांधी कांग्रेस' मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए श्रीराम को ही कल्पना सिद्ध करने के प्रयास में लग गई। कांग्रेस स्वयं को सेकुलर सिद्ध करने के अनथक प्रयास करने लगी थी और 'रामेश्वरम् रामसेतु' के विध्वंस, विनाश, भंजन, खंडन हेतु मशीनें समुद्रतट पर भेज चुकी थी। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' हेतु कांग्रेस ने न जाने कितने ही कांड इस देश में किया और सतत-निरंतर किए हैं। आश्चर्य और दुस्साहस का विषय यह है कि 'मुस्लिम तुष्टिकरण' के लिए देश भर से लताड़े जाने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व इस बात को समझ ही नहीं रहा है। हाँ, कांग्रेस का जमीनी कार्यकर्ता इस बात कोई समझ भी रहा है और वह कांग्रेस की 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की नीति के विरोध में भी है, तब ही तो 'कार्यकर्ता बेचारे' ने सोशल मीडिया पर लाखों की संख्या में आकर यह कहा था कि सोनिया जी वंदे मातरम् का गान रोक नहीं रही थी बल्कि खड़गे जी के लिए कुर्सी बुला रही थी। 'वंदे मातरम' और 'मुस्लिम तुष्टिकरण' की यह कांग्रेस कार्यकर्ता की नैसर्गिक प्रतिक्रिया थी जिसे कांग्रेस नेतृत्व ने स्वीकार करना चाहिए थे किंतु कांग्रेस ने 'राम पथ' को नहीं बल्कि 'रोम पथ' को चुना हुआ है। 26 अक्टू.- 1 नव. 1937 की कलकत्ता कांग्रेस कार्यसमिति में 'वंदे मातरम' गान के विभाजन की अनुशंसा और कुछ नहीं बल्कि एक 'इमोशनल राष्ट्रीय ब्लैक मेल' था। यह देश विभाजन में अपना हित देखने वाले नेताओं द्वारा निर्मित 'ब्लैकमेल' था।

डुवा से हाटकोदल पहुंच मार्ग की बदहाल स्थिति से ग्रामीण बेहाल, 4 किमी सड़क निर्माण की मांग

भानुप्रतापपुर। क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के विकास दावों के बीच डुवा से हाटकोदल पहुंच मार्ग अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लगभग 4 किलोमीटर लंबी यह सड़क लंबे समय से जर्जर स्थिति में है, जिससे ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

लगातार शिकायतों के बावजूद शासन-प्रशासन द्वारा ध्यान न दिए जाने से स्थानीय निवासियों में गहरा असंतोष है। मौजूदा बारिश के मौसम में इस मार्ग की हालत बेहद चिंताजनक हो गई है। पूरी सड़क पर जगह-जगह जलभराव होने से यह दलदल में तब्दील हो चुकी है। गड्ढों में पानी भरे होने के कारण वाहन चालकों को गहराई का अंदाजा नहीं होता, जिससे अक्सर दोपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। कई बार भारी वाहन भी कीचड़ में फंस जाते हैं, जिससे घंटों आवागमन ठप रहता है।

स्कूली बच्चों, मरीजों और किसानों की बढ़ीं मुश्किलें

मार्ग के खस्ताहाल होने का सीधा असर दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। हाटकोदल स्थित स्कूलों में जाने वाले छात्र-छात्राओं को कीचड़ भरे रास्तों से जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पा रही है, जिससे गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना चुनौती बन गया है। कृषि उपज और सामग्री के परिवहन में आ रही बाधा से किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

नए कलेक्टर से जागी आस

ग्रामीणों का कहना है कि जिला प्रशासन मूलभूत जरूरतों जैसे सड़क, पेयजल और शिक्षा पर ध्यान देने के बजाय अन्य कार्यों में लगा हुआ है। हालांकि, जिले में नए कलेक्टर के पदभार संभालने के बाद से ग्रामीणों में उम्मीद जगी है कि अब उनकी समस्या का समाधान होगा। उपसरपंच जैन सिंह उइके, लालचंद दुग्गा, कमलेश नेरटी, गणेश नेरटी, मेहर दुग्गा, मुरहा दुग्गा और नारायण गावड़े सहित अन्य ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग व जिला प्रशासन से तत्काल सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्य शुरू करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का निराकरण नहीं हुआ, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

20 हितग्राही किसानों को 60 किलो मछली बीज वितरित

कोण्डागांव। समग्र ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अंतर्गत एचडीएफसी बैंक परिवर्तन एवं अंबुजा फाउंडेशन के सहयोग से चयनित किसानों के खेत-तालाब निर्माण में सहायता प्रदान की गई थी। इसी क्रम में मत्स्य विभाग के सहयोग से 20 हितग्राही किसानों को कुल 60 किलोग्राम मछली बीज का वितरण किया गया। मछली बीज वितरण कार्यक्रम में खचगांव, दहिकोंगा, मदनार, चानगेर, चिलपुट्टी, कांगा, करणपुर करियाकांटा, इसलनार एवं धनसुली गांवों के किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मत्स्य विभाग की अधिकारी मीनाक्षी पोटाई सहायक मत्स्य अधिकारी प्रभारी शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र कोपाबेड़ा एवं अंबुजा फाउंडेशन की सीनियर प्रोजेक्ट ऑफिसर नेहा कुशवाहा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने किसानों को मत्स्य पालन को बढ़ावा देने तथा खेत-तालाबों का बेहतर उपयोग कर आय बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को मत्स्य पालन से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना और अतिरिक्त आजीविका का साधन उपलब्ध कराना है। मछली बीज वितरण से चयनित किसानों को अपने खेत-तालाबों में मत्स्य पालन शुरू करने में सहयोग मिलेगा।

कलेक्टर ने किया एसडीएम कार्यालय भानुप्रतापपुर का निरीक्षण, पुराने परिचित स्टाफसे की आत्मीय मुलाकात, लगाए गले

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने कांकेर जिले में पदस्थापना के बाद अनुविभाग मुख्यालय भानुप्रतापपुर का प्रथम प्रवास किया। इस दौरान उन्होंने एसडीएम एवं तहसील कार्यालय का अवलोकन तथा निरीक्षण कर वहां पदस्थ स्टाफ से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षों में जाकर निरीक्षण किया और स्टाफ से भेंट की। ज्ञात हो कि 10 वर्ष पहले कलेक्टर कुमार, भानुप्रतापपुर एसडीएम के तौर पर इसी कार्यालय में पदस्थ रहे। उन्होंने यहां सेवारत स्टाफ से मुलाकात की और गले लगाकर पुरानी यादें ताजा की। इसके उपरांत वे भानुप्रतापपुर के रेलवे स्टेशन का दौरा किया तथा आवश्यक जानकारी ली। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी सहित स्थानीय नागरिक और मीडिया प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

उड़ीसा राज्य में विदेशी मदिरा जब्त आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज

कोण्डागांव। जिला कोण्डागांव में अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, संग्रहण एवं विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 24 अगस्त को आबकारी विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए उड़ीसा राज्य निर्मित कुल 7.900 बल्क लीटर विदेशी मदिरा जब्त की, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 2,720/- है। कार्रवाई के दौरान सुखमन मरकाम, निवासी पल्ली खासपारा, थाना कोण्डागांव को अवैध विदेशी मदिरा के साथ पकड़ा गया। उसके विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(2) एवं 36 के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। प्रकरण के विवेचक मोरजध्वज साहू, आबकारी उपनिरीक्षक, कोण्डागांव रहे। कार्रवाई में हमराह स्टाफ के रूप में सुरेश कुमार, आबकारी उपनिरीक्षक, केशकाल, प्रवीण कुमार ठाकुर, प्रशिक्षु आबकारी उपनिरीक्षक; आबकारी मुख्य आरक्षक कैलाश पांडे एवं नंदकिशोर बघेल, सीएसएमसीएल कर्मचारी रविन्द्र कुमार तथा वाहन चालक विनय कुमार नेताम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उम्र को मात देकर लद्दाख मैराथन की तैयारी, 70 और 58 साल के धावक लगाएंगे 11,500 फीट ऊंचाई पर दौड़

उम्र को मात देकर लद्दाख मैराथन की तैयारी, 70 और 58 साल के धावक लगाएंगे 11,500 फीट ऊंचाई पर दौड़

कोण्डागांव। उम्र को केवल एक संख्या साबित करते हुए कोण्डागांव जिले के दो बुजुर्ग धावक अब दुनिया की सबसे कठिन मैराथन में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। 70 वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक ज्वाला प्रसाद शर्मा और 58 वर्षीय मैकेनिक संतोष साहू 'संतु' लद्दाख मैराथन में छत्तीसगढ़ और कोण्डागांव का प्रतिनिधित्व करेंगे। दोनों धावक इससे पहले कई राष्ट्रीय स्तर की दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर स्वर्ण पदक सहित कई उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। संतोष साहू ने अंडमान में समुद्र किनारे आयोजित 10 किमी मैराथन में नंगे पैर दौड़ लगाकर स्वर्ण पदक जीता था। वहीं स्वतंत्रता दौड़ सहित कई आयोजनों में भी उन्होंने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। अब उनकी अगली चुनौती लद्दाख मैराथन है, जिसे दुनिया की सबसे ऊंची और कठिन मैराथन दौड़ों में शामिल किया जाता है। यह दौड़ समुद्र तल से करीब 11 हजार 500 फीट की ऊंचाई पर आयोजित होती है, जहां कम ऑक्सीजन, पथरीले रास्ते और कठिन मौसम धावकों की परीक्षा लेते हैं। संतोष साहू संतु ने बताया कि उनका फुल मैराथन 13 सितंबर को होगा। इसके लिए वे 4 सितंबर को कोण्डागांव से रवाना होंगे और लद्दाख पहुंचकर वहां के वातावरण और कम ऑक्सीजन वाले माहौल के अनुसार खुद को तैयार करेंगे। उन्होंने कहा, लोग पूछते हैं कि इस उम्र में क्यों दौड़ रहे हो, तो मेरा जवाब है कि इसी उम्र में तो करना है। उम्र कभी बाधा नहीं होती, जरूरत होती है मजबूत इच्छाशक्ति की। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि उम्र को बहाना नहीं बल्कि अपनी ताकत बनाना चाहिए। प्रतिदिन थोड़ा समय निकालकर दौड़ना और शरीर को सक्रिय रखना जरूरी है। उन्होंने कहा, शरीर एक इंजन की तरह है, जिसे रोज चलाना पड़ता है। एक दोस्त जो आपके साथ दौड़ता है, वह कई डॉक्टरों से बेहतर साबित हो सकता है। 70 वर्षीय ज्वाला प्रसाद शर्मा और 58 वर्षीय संतोष साहू की यह जोड़ी साबित कर रही है कि जुनून और मेहनत के आगे उम्र भी हार जाती है।

शासकीय अरविंद महाविद्यालय में मतदाता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन, ईवीएम-वीवीपीएटी की दी जानकारी

किरंदुल। शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल में स्वीप और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के तत्वावधान में 'मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं कार्यशाला' का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य 18 वर्ष पूर्ण कर रहे युवाओं को मताधिकार और मतदान प्रक्रिया के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. आर. के. हिरकने ने कहा कि निष्पक्ष मतदान से ही सशक्त लोकतंत्र का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं से बिना किसी प्रलोभन के मतदान करने और ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता मास्टर ट्रेनर सी.एल.शर्मा ने निर्वाचन प्रक्रिया, ईवीएम-वीवीपीएटी की विश्वसनीयता व गोपनीयता पर प्रकाश डाला। साथ ही नए मतदाताओं को वोटर हेल्पलाईन एप्प और ऑफलाइन माध्यम से फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया समझाई। कुआकोंडा क्षेत्र के बीएलओ ने फॉर्म-8 के माध्यम से त्रुटि सुधार की जानकारी दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। रंगोली में मेरा वोट मेरा अधिकार और उठो जागो मतदान करो जैसे संदेश दिए गए। पोस्टर मेकिंग में माय वोट माय राइट स्लोगन पर आधारित पोस्टर बनाए गए और भाषण प्रतियोगिता में लोकतंत्र में ईवीएम-वीवीपीएटी की भूमिका पर विचार रखे।

चंद घंटों में कोण्डागांव पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

कोण्डागांव। पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना की रिपोर्ट दर्ज होने के चंद घंटों के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया। प्रार्थिया/पीड़िता की माता द्वारा थाना कोंडागांव उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि आरोपी चंदन पोयाम, पिता धनारू पोयाम, उम्र 19 वर्ष, निवासी गोलावण्ड, थाना कोण्डागांव, जिला कोण्डागांव (छत्तीसगढ़) ने पीड़िता को अकेला पाकर शादी का झांसा देकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद आरोपी द्वारा पीड़िता को डराने-धमकाने तथा दबाव में लेकर कई बार दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। घटना के कारण पीड़िता के तीन माह की गर्भवती होने की जानकारी भी रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट पर थाना कोण्डागांव में अपराध क्रमांक 263/2026, धारा 64, 64(2)(ड) भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चन्द्रा द्वारा आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपील चन्द्रा एवं एसडीओपी कोण्डागांवरूपेश कुमार के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय के नेतृत्व में आरोपी की गिरफ्तारी हेतु थाना कोण्डागांव की टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा आरोपी चंदन पोयाम, पिता धनारू पोयाम, उम्र 19 वर्ष, निवासी गोलावण्ड, थाना कोण्डागांव, जिला कोण्डागांव को उसके निवास स्थान पर मिलने पर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपराध घटित करना स्वीकार किए जाने पर 23 अगस्त को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेज दिया गया।

किरंदुल में बाल काँवड़ियों ने गंगेश्वर धाम में किया भव्य जलाभिषेक, बोल बम से गूंजा धाम

किरंदुल। पवित्र श्रावण मास के पावन अवसर पर सावन काँवड़िया जलाभिषेक सेवा समिति किरंदुल के तत्वावधान में बाल काँवड़ियों द्वारा गंगेश्वर धाम में भगवान भोलेनाथ का भव्य जलाभिषेक किया गया। सोमवार 24 अगस्त को रामपुर कैंप चौक से बाल काँवड़ियों की टोली भगवा वस्त्र धारण कर रवाना हुई।हाथों में काँवड़ और मन में शिव भक्ति लिए नाचते-गाते और बोल बम के गगनभेदी जयघोष के साथ यह टोली रामाबूटी जलस्रोत स्थित गंगेश्वर धाम पहुंची। वहां प्राकृतिक जलस्रोत के बीच स्थित शिवलिंग पर बाल काँवड़ियों ने पूरे विधि-विधान के साथ जलाभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। जलाभिषेक के उपरांत उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान पूरा वातावरण शिवमय और भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और बाल काँवड़ियों के इस उत्साह और भक्ति भाव की सराहना की।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने खेल कार्यालय और बस स्टैंड परिसर का किया फॉलोअप विजिट

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार ने कांकेर शहर के विभिन्न स्थलों का भ्रमण कर फॉलोअप विजिट किया। कलेक्टर कुमार द्वारा पिछले दो दिनों तक शहर के विभिन्न इलाकों का निरीक्षण कर दो दिनों के भीतर साफ-सफाई दुरुस्त करने के निर्देश सीएमओ कांकेर सहित संबंधित अधिकारियों को दिए गए थे। दिए गए निर्देशों का फॉलोअप लेने उन्होंने नरहरदेव स्कूल के खेल परिसर में बनाए गए शौचालय तथा जिला खेल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। फॉलोअप विजिट के दौरान कलेक्टर ने पाया कि निर्देश के परिपालन में बालिका शौचालय का तत्काल रिनोवेशन कराया गया है। इसी तरह विगत दिवस निरीक्षण के दौरान खेल कार्यालय के बैडमिंटन कोर्ट की साफ-सफाई और स्पोर्ट्स भंडार कक्ष में रखी खेल सामग्रियों का वितरण कराने के निर्देश कलेक्टर ने दिए थे, जिसके पालन में सामग्रियों को हटाने की प्रकिया प्रारंभ कर दी गई।

उन्होंने जरूरतमंद खिलाड़ियों को खेल सामग्री अविलंब मुहैया कराने के निर्देश खेल अधिकारी को दिए। इसके पश्चात कलेक्टर ने नया बस स्टैंड परिसर का आकस्मिक मुआयना किया, इस दौरान उन्होंने पाया कि बस स्टैंड में दुकानों के आगे डस्टबीन रखवा दिए गए हैं तथा बारिश से बने गड्ढों में गिट्टी डालकर समतलीकरण का कार्य करा लिया गया है। उन्होंने एक हाईवा अतिरिक्त गिट्टी बोल्डर डलवाकर समतल करने के निर्देश मुख्य नगरपालिका अधिकारी पवन मेरिया को दिए। साथ ही दिए गए निर्देशों का त्वरित पालन करने के लिए सीएमओ की सराहना की और उनसे हाथ भी मिलाया।

डीएमएफ भर्ती प्रक्रिया में अनियमितता का आरोप विधायक विक्रम शाह मंडावी ने कलेक्टर को लिखा पत्र

बीजापुर। स्वास्थ्य विभाग में जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) मद से चल रही भर्ती प्रक्रिया को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। विधायक विक्रम मंडावी ने भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताओं और स्थानीय अभ्यर्थियों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को पत्र लिखा है। विधायक ने हॉस्पिटल कंसल्टेंट और पब्लिक हेल्थ कंसल्टेंट पदों के लिए पृथक आवेदन लिए जाने के बावजूद दोनों पदों की कौशल परीक्षा और साक्षात्कार के अंकों को जोड़कर अंतिम चयन सूची जारी करने पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विज्ञापन में न्यूनतम अंक की कोई स्पष्ट शर्त नहीं थी, फिर भी स्थानीय अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंक के आधार पर अनुत्तीर्ण किया गया। पत्र में कहा गया है कि बीजापुर जिले के स्थानीय एवं योग्य अभ्यर्थियों को प्राथमिकता देने संबंधी विज्ञापन के निर्देशों का पालन नहीं हुआ। विधायक ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए इसे निरस्त करने तथा नए सिरे से पारदर्शी कौशल परीक्षा आयोजित कर स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता देने की मांग की है।

बाल अधिकारों की सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव को लेकर धनोरा में विधिक जागरूकता शिविर

कोण्डागांव। सरस्वती शिशु मंदिर धनोरा' में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा बाल संरक्षण, साइबर सुरक्षा, यातायात नियमों एवं निःशुल्क विधिक सहायता के संबंध में जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में अधिकार मित्र द्वारा विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम, 2012, बाल अपराधों से बचाव एवं बच्चों के अधिकारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही यातायात नियमों का पालन, सड़क सुरक्षा, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग तथा नाबालिगों द्वारा वाहन न चलाने के संबंध में जागरूक किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों को साइबर अपराध एवं साइबर सुरक्षा के संबंध में जानकारी देते हुए अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, व्च्च् एवं पासवर्ड किसी के साथ साझा नहीं करने तथा सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। किसी भी प्रकार की कानूनी समस्या होने पर निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया एवं नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं आपातकालीन हेल्पलाइन 112 के संबंध में भी जानकारी दी गई। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न कानूनी विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे, जिनका समाधान किया गया। विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, कानून का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर अपने अभिभावक, शिक्षक अथवा संबंधित हेल्पलाइन से सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प राहुल गौतम थाना धनोरा,अधिकार मित्र चमेली यादव थाना धनोरा कोंडागांव' विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर में नए श्रम कानूनों पर कार्यशाला आयोजित

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कार्मिक विभाग, मुख्यालय द्वारा आज एनईआई सभागृह, बिलासपुर में नए श्रम कानूनों जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण एवं समसामयिक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय एवं बिलासपुर मंडल के प्रधान विभागाध्यक्षों एवं अधिकारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे तथा मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास (आईआरपीएस) रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी डॉ. दर्शनीता बी. अहलूवालिया द्वारा मुख्य वक्ता श्री एच. श्रीनिवास का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया तथा मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू का भी स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि श्री विजय कुमार साहू ने अपने स्वागत उद्बोधन में नए श्रम कानूनों के महत्व एवं वर्तमान संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस महत्वपूर्ण विषय पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मुख्य वक्ता श्री एच. श्रीनिवास के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास (आईआरपीएस) ने नए श्रम कानूनों की विस्तृत विवेचना करते हुए उनके प्रमुख प्रावधानों एवं मूल तथ्यों को सरल एवं सहज भाषा में उपस्थित अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए विषय की व्यावहारिक समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नए श्रम कानूनों के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराते हुए उनके प्रभावी क्रियान्वयन एवं बेहतर समझ को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के सफल समापन पर मुख्य वक्ता श्री डॉक्टर एच. श्रीनिवास के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बिलासपुर यलहंका (बेंगलुरु) बिलासपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस का नियमित परिचालन शुरू

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा बिलासपुर से दक्षिण भारत के बीच रेल संपर्क को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बिलासपुर यलहंका (बेंगलुरु) बिलासपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस (18261/18262) का नियमित परिचालन आज 26 अगस्त 2026 से प्रारंभ किया गया। यह रेल सेवा दोनों क्षेत्रों के बीच शिक्षा, रोजगार, व्यापार, उद्योग एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ सामाजिक एवं आर्थिक संपर्क को भी नई गति प्रदान करेगी। विशेष रूप से बेंगलुरु जैसे प्रमुख आईटी एवं औद्योगिक केंद्र से बिलासपुर क्षेत्र का सीधा रेल संपर्क मजबूत होने से विभिन्न वर्गों के यात्रियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इस ट्रेन के साप्ताहिक नियमित परिचालन के अंतर्गत गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर- यलहंका(बेंगलुरु) साप्ताहिक ट्रेन बिलासपुर से दिनांक 26 अगस्त 2026 से प्रत्येक बुधवार को एवं इसी प्रकार गाड़ी संख्या 18262 यलहंका(बेंगलुरु)बिलासपुर साप्ताहिक ट्रेन यलहंका से दिनांक 27 अगस्त 2026 से प्रत्येक गुरुवार को चलाई जाएगी । गाड़ी की समय-सारिणी गाड़ी संख्या 18261 बिलासपुर-यलहंका(बेंगलुरु) साप्ताहिक ट्रेन 26 अगस्त 2026 से प्रत्येक बुधवार को बिलासपुर से 14.00 बजे रवाना होगी तथा भाटापारा आगमन 14.40 बजे, प्रस्थान 14.42 बजे, रायपुर आगमन 15.35 बजे, प्रस्थान 15.40 बजे, दुर्ग आगमन 16.25 बजे, प्रस्थान 16.30 बजे, राजनादगाँव आगमन 16.49 बजे, प्रस्थान 16.51 बजे, डोंगरगढ़ आगमन 17.12 बजे, प्रस्थान 17.14 बजे, गोंदिया आगमन 18.15 बजे, प्रस्थान 18.25 बजे, वडसा आगमन 19.32 बजे, प्रस्थान 19.34 बजे, चांदाफोर्ट आगमन 21.18 बजे, प्रस्थान 21.20 बजे, बल्लारशाह आगमन 22.05 बजे, प्रस्थान 22.15 बजे, सिरपुर कागजनगर आगमन 22.59 बजे, प्रस्थान 23.00 बजे, मंचिर्याल आगमन 23.54 बजे, प्रस्थान 23.55 बजे, दूसरे दिन काजीपेट आगमन 01.38 बजे, प्रस्थान 01.40 बजे, चर्लपल्ली आगमन 03.08 बजे, प्रस्थान 03.10 बजे, सिकंदराबाद आगमन 05.55 बजे, प्रस्थान 06.05 बजे, लिंगमपल्ली 06.18 बजे, प्रस्थान 06.20 बजे, विकाराबाद आगमन 07.03 बजे, प्रस्थान 07.05 बजे, तांडूर आगमन 07.43 बजे, प्रस्थान 07.45 बजे, यादगीर आगमन 09.13 बजे, प्रस्थान 09.15 बजे, कृष्णा जंक्शन आगमन 09.50 बजे।

रेल संरक्षा के 09 सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 25 अगस्त, 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 09 कर्मचारियो को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा संबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । इस अवसर पर सम्मानित किए गए कर्मचारियों के सराहनीय कार्य इस प्रकार हैं:- लोको पायलट, गुड्स के पद पर कोरबा में पदस्थ कर्मचारी श्री धीरेंद्र कुमार द्विवेदी ने ड्यूटी पर जाते समय कोरबा यार्ड की लाइन नंबर-4 के पास रेल फ्रैक्चर की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रैक को संरक्षित कर रेल परिचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया गया। स्टेशन मास्टर के पद पर उरगा में पदस्थ कर्मचारी श्री शशिकांत कुमार सिंह ने मालगाड़ी से ऑल राइट सिग्नल एक्सचेंज करते समय इंजन से 15वें वैगन में ब्रेक बाईंडिंग की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से गाड़ी का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया। लोको पायलट, गुड्स के पद पर शहडोल में पदस्थ कर्मचारी श्री अविनाश कुमार ने मालगाड़ी में जामगा स्टेशन की ओर जाते समय भारी झटका महसूस होने पर गाड़ी रोककर रेलवे ट्रैक का निरीक्षण किया। रेल सतह पर स्किड के निशान की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से गाड़ी का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया। तकनीशियन ग्रेड-1 के पद पर बिलासपुर में पदस्थ कर्मचारी श्री संतोष कुमार सिंह ने बिलासपुर स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-3 से गुजर रही मालगाड़ी के रोलिंग-आउट निरीक्षण के दौरान 22वें वैगन की असामान्य स्थिति की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से वैगन को संरक्षित रूप से रीरेल कर गाड़ी का पुन: संचालन सुनिश्चित किया गया। ट्रैक मेंटेनर-द्वितीय के पद पर तिल्दा में पदस्थ कर्मचारी श्री तुलाराम डहरिया ने ड्यूटी के दौरान एसईजे टंग रेल में फ्रैक्चर की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रैक को संरक्षित कर रेल परिचालन सुचारु रूप से सुनिश्चित किया गया। स्टेशन मास्टर के पद पर दाधापारा में पदस्थ कर्मचारी श्री मनोज कुमार रजक ने ड्यूटी के दौरान रिले/बैटरी कक्ष में अग्नि अलार्म सक्रिय होने पर तत्काल स्थिति का संज्ञान लेते हुए प्रभावी कार्रवाई की। उनकी तत्परता एवं सूझबूझ से समय रहते स्थिति को नियंत्रित कर रेल परिसंपत्तियों की संरक्षा सुनिश्चित की गई। वरिष्ठ तकनीशियन (यांत्रिक) के पद पर दुर्ग में पदस्थ कर्मचारी श्री भारत ने वंदे भारत ट्रेन संख्या 20829/30 के डेली शेड्यूल परीक्षण के दौरान पैंटोग्राफ कार्बन स्ट्रिप में बारीक दरार की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से ट्रेन का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया। कनिष्ठ अभियंता/रेलपथ के पद पर कन्हान में पदस्थ कर्मचारी श्री उदय कुमार ने टीडब्लूएस/एसईजे नवीनीकरण कार्य की निगरानी के दौरान चाचेर स्टेशन से गुजर रही मालगाड़ी के एक वैगन के नीचे घिसटती एमएस बेस प्लेट की पहचान कर तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से बेस प्लेट को हटाकर गाड़ी का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया। वरिष्ठ सहायक लोको पायलट के पद पर नागपुर में पदस्थ कर्मचारी श्री कुणाल तुलसीराम चितगीरे ने शिवनाथ एक्सप्रेस से ड्यूटी के दौरान समानांतर पटरी पर चल रही मालगाड़ी के एक वैगन की असामान्य स्थिति की पहचान कर तत्काल की-टॉकी के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को सूचित किया। समय पर कार्रवाई से संबंधित वैगन को अलग कर गाड़ी का संरक्षित संचालन सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि रेल परिचालन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और कर्मचारियों की ऐसी सजगता एवं कर्तव्यनिष्ठा अन्य रेलकर्मियों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने सभी को भविष्य में भी इसी उत्साह और समर्पण के साथ कार्य करने की शुभकामनाएं दीं।

राखी के पर्व पर बहनों की तरक्की की मिसाल बनीं लखपति दीदियां

बिलासपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना (बिहान) अंतर्गत विकासखण्ड बिल्हा के ग्राम अकलतरी की जय भारत महिला स्व सहायता समूह की लखपति दीदियां आज स्वरोजगार की नई मिसाल पेश कर रही हैं। समूह की महिलाओं द्वारा ग्राम अकलतरी में संचालित बिलासा पशु आहार संयंत्र में पशु एवं पक्षी आहार का निर्माण किया जा रहा है। आधुनिक मशीनों की सहायता से तैयार किए जा रहे गुणवत्तापूर्ण आहार से जहां पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर पशु आहार उपलब्ध हो रहा है, वहीं महिलाओं को रोजगार और नियमित आय का नया जरिया मिला है। समूह की महिलाओं ने पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़ते हुए पशु एवं पक्षी आहार निर्माण के क्षेत्र में कदम

रखा है। संयंत्र में उत्पादन को व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए फीड ग्राइंडर एवं मिक्सर मशीन, फीड पैलेट मशीन तथा फीड क्रम्बल मशीन स्थापित की गई हैं। इन मशीनों के माध्यम से विभिन्न प्रक्रियाओं को सुगम बनाकर पशु एवं पक्षी आहार तैयार किया जा रहा है। बिहान योजना के माध्यम से महिला स्व सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में जय भारत महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं ने पशु आहार निर्माण को आजीविका का माध्यम बनाया है। समूह की महिलाएं संयंत्र के संचालन, पशु आहार निर्माण, पैकेजिंग और अन्य कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी निभा रही हैं। बिलासा पशु आहार संयंत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। पशुपालन एवं कुक्कुट पालन से जुड़े ग्रामीणों को अपने क्षेत्र में ही पशु एवं पक्षी आहार मिलने से समय और परिवहन लागत में सुविधा हो रही है। यह पहल अन्य महिला स्व सहायता समूहों के लिए भी प्रेरणा बन रही है।

ऑपरेशन नारकोस के तहत रेलवे सुरक्षा बल,गोंदिया की कार्रवाई

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे ऑपरेशन नारकोस के तहत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मंडल में रेलवे सुरक्षा बल गोंदिया की अपराध गुप्तचर शाखा ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 02 अंतर्राज्यीय गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 69 पैकेट में कुल 72.661 किलोग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत ?36,33,050/- है, बरामद किया गया। दिनांक 24 अगस्त 2026 को प्राप्त गोपनीय सूचना के आधार पर रेलवे सुरक्षा बल क्राइम टीम, गोंदिया के अधिकारी एवं बल सदस्यों ने गाड़ी संख्या 22827 पुरीसूरत एक्सप्रेस में दरेंकसागोंदिया के मध्य कार्रवाई की। टीम ने कोच संख्या क्र-5 में यात्रा कर रहे एक महिला एवं एक पुरुष यात्री को चार ट्रॉली बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम टूकु नायक, उम्र 38 वर्ष तथा ईश्वरी बेहरा उर्फ इशू, उम्र 35 वर्ष, निवासी काटाभाजी, बलांगीर (ओडिशा) बताया। विधिवत तलाशी लेने पर उनके चारों ट्रॉली बैग से 69 पैकेट गांजा, कुल वजन 72.661 किलोग्राम, बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उक्त गांजा कांटाभाजी,

ओडिशा से ट्रेन के माध्यम से भुसावल, महाराष्ट्र ले जाया जा रहा था। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा पूर्व में भी लगभग 10 बार गांजा तस्करी किए जाने की जानकारी दी गई। उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध ओडिशा के विभिन्न स्थानों में पूर्व के आपराधिक प्रकरण भी दर्ज होना पाया गया। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए दोनों आरोपियों को बरामद गांजा सहित अग्रिम कार्रवाई के लिए जीआरपी गोंदिया के सुपुर्द किया गया।

1000 नागरिकों को किया जागरूक, यूपीआई और बैंक फ्रॉड से बचने की दी जानकारी

कोरबा। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों के बीच कोरबा पुलिस ने साइबर जागृति अभियान के तहत व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम चलाया। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से करीब 1000 नागरिकों को साइबर ठगी, यूपीआई फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी दी गई। यह अभियान पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के मार्गदर्शन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले के निर्देशन में चलाया गया। 24 अगस्त को थाना कोतवाली, बालको, दर्री, दीपका, बांकीमोंगरा, सिविल लाइन, पाली, बांगो, रजगामार और चैतमा पुलिस की टीमों ने विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। इस दौरान एसबीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक, स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, हरिकिशन पब्लिक स्कूल, बालको और एल एण्ड टी कंपनी समेत सार्वजनिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों में लोगों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस ने नागरिकों को समझाइश दी कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, यूपीआई, पीआईएन, पासवर्ड और बैंक खाते से जुड़ी गोपनीय जानकारी साझा न करें। इसके साथ ही अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध व्हाट्सएप फाइल डाउनलोड करने, फर्जी कॉल और नकली वेबसाइटों से सावधान रहने की अपील की गई।

भोजली पर्व को देशभर में पहचान दिलाने का प्रयास,परंपरा बचाने महिलाओं ने उठाया बीड़ा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती लोक परंपराओं और तीज-त्योहारों को नई पीढ़ी से जोड़ने के उद्देश्य से भोजली पर्व का आयोजन लगातार विस्तार ले रहा है। आयोजकों का कहना है कि भोजली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सामाजिक एकता, भाईचारे, प्रेम और आपसी संबंधों को मजबूत करने वाली परंपरा है। इसे जीवंत रखने और देशभर में इसकी पहचान बनाने के लिए वर्षों से प्रयास किया जा रहा है। अगुवाई जन कल्याण समिति बिलासपुर के संयोजक विष्णु यादव, दीपमाला गुप्ता , देवनारायण साहू ,राजू यादव , राखी यादव , मनोरमा यादव, पप्पू ठाकुर ने प्रेस क्लब में हमर पहुंना में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी धीरे-धीरे अपनी पारंपरिक संस्कृति और पर्वों से दूर होती जा रही है। ऐसे में भोजली जैसे आयोजनों के माध्यम से उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। भोजली पर्व में महिलाओं की टोलियां

उत्साहपूर्वक शामिल होती हैं और आपस में मितान , गिआ तथा महाप्रसाद बांटने की परंपरा निभाती हैं। आयोजकों ने इसे छत्तीसगढ़ का पारंपरिक 'फ्रेंडशिप डे' बताते हुए कहा कि इस पर्व में आपसी प्रेम, मित्रता और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी संस्कृति के विभिन्न दिवसों के बीच अपनी लोक परंपराओं को भी पहचान दिलाने की जरूरत है। भोजली के माध्यम से महिलाओं, युवतियों और युवाओं को एक-दूसरे से जोड़ने तथा पुरखों से चली आ रही परंपराओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजन में प्रतियोगिताएं भी कराई जाती हैं और आकर्षक पुरस्कार दिए जाते हैं, ताकि लोगों में उत्साह बना रहे और अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ें। गांव-गांव तक पहुंच रहा भोजली का संदेश- आयोजकों के मुताबिक भोजली आयोजन का प्रचार-प्रसार पिछले कई वर्षों से व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। इसके लिए गांवों की सूची तैयार कर ऑटो के माध्यम से प्रचार कराया जाता है। इसके बाद विभिन्न गांवों से महिलाओं की टोलियां भोजली लेकर आयोजन स्थल तक पहुंचती हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023 में अरपा नदी किनारे आयोजन के लिए बड़ा स्थान मिलने के बाद भोजली पर्व का स्वरूप और अधिक व्यापक हुआ।

निवारक सतर्कता अभियान के अंतर्गत एसईसीएल मुख्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम...

- बिलासपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक श्री राम गोपाल गर्ग ने अधिकारियों कर्मचारियों को किया साइबर अपराधों से सतर्क
- बिलासपुर पुलिस ने किया 'साइबर जागृति रक्षा सूत्र अभियान' का शुभारंभ

बिलासपुर। साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय, बिलासपुर में केंद्रीय सतर्कता आयोग के मार्गदर्शन में एसईसीएल में संचालित तीन माह के सतर्कता निवारक अभियान के अंतर्गत आज साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ पुलिस के 'साइबर जागृति अभियान' के साथ समन्वय करते हुए साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, डिजिटल सुरक्षा के प्रति सतर्कता विकसित करने तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया। इस अवसर पर बिलासपुर पुलिस द्वारा 'साइबर जागृति रक्षा सूत्र अभियान' का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में भारतीय पुलिस सेवा के पुलिस महानिरीक्षक, बिलासपुर रेंज, श्री राम गोपाल गर्ग मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। बिलासपुर के उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एसईसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव

संसाधन) श्री बिरंची दास तथा निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में श्री राम गोपाल गर्ग ने साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप और उनसे बचाव के लिए आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने फिशिंग, फर्जी लिंक, ओटीपी एवं केवाईसी फ्रॉड, सोशल मीडिया आधारित साइबर अपराधों तथा ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए डिजिटल लेन-देन के दौरान विशेष सतर्कता बरतने की अपील की, साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन अथवा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कराने का आग्रह किया। श्री गर्ग ने 'साइबर जागृति रक्षा सूत्र अभियान' की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साइबर सुरक्षा केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी भी है। विशिष्ट अतिथि श्री रजनेश सिंह ने कहा कि साइबर अपराधों की रोकथाम में जन-जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म और ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन का उपयोग करते समय सावधानी बरतने तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर बिना विलंब 1930 हेल्पलाइन या राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की। एसईसीएल में संचालित तीन माह के सतर्कता निवारक अभियान के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा को सुशासन, पारदर्शिता और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के महत्वपूर्ण पक्ष के रूप में रेखांकित किया गया।

पीएम आवास योजना में फर्जीवाड़ा मामला: तिलकेजा पंचायत सचिव को नोटिस

कोरबा। जनपद पंचायत कोरबा के अंतर्गत आने वाले सांसदआदर्श ग्राम पंचायत तिलकेजा में प्रधानमंत्री आवास योजना में फर्जी हितग्राहियों के नाम से राशि जारी करवा कर उसका बंदरबांट करने के मामले में तिलकेजा की पंचायत सचिव नविता दुबे को निलंबित कर दिया गया है। विकासखंड समन्वयक देवानंद श्रीवास को वहां से हटकर जनपद में अटैच करने की कार्रवाई की गई है। बता दें कि इस मामले में की गई शिकायत में 48 लोगों के नाम से फर्जीवाड़ा का गंभीर आरोप लगाया गया। आरटीआई कार्यकर्ता जितेंद्र साहू के द्वारा की गई शिकायत के बाद मामले में जांच हेतु जिला पंचायत सीईओ प्रतीक जैन (आईएएस) द्वारा टीम का गठन किया गया। टीम के द्वारा जांच के सिलसिले में सचिव श्रीमति नविता दुबे को आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित होने का निर्देश जारी किया गया। सरपंच/सचिव को 48 हितग्राहियों का राशि जिनके खाते में गया उनका आधार कार्ड, बैंक पासबुक का प्रथम पृष्ठ एवं मृत्यु प्रमाण पत्र जारी रजिस्टर लेकर दिनांक 13.08.2026 को कार्यालय उप संचालक पंचायत जिला कोरबा में उपस्थित होने कहा गया था किंतु सरपंचध्सचिव उपस्थित नही हुए। इसी तरह श्रीमती नविता दुबे सचिव ग्राम पंचायत तिलकेजा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया जाकर 03 दिवस के भीतर जवाब चाही गई थी

सुबह उठते ही अपनाएं आसान वास्तु उपाय

सुबह का समय दिन की शुरुआत का अच्छा समय माना जाता है। उठने के बाद हम क्या करते हैं, इससे हमारा मूड और दिन की शुरुआत बेहतर हो सकती है। वास्तु और धार्मिक मान्यताओं में भी सुबह किए जाने वाले कुछ कामों को शुभ माना गया है। सुबह की शुरुआत अगर अच्छे विचारों और सही आदतों के साथ की जाए, तो दिन सकारात्मक तरीके से शुरू होता है। इन कामों के लिए ज्यादा समय की जरूरत नहीं है। इन्हें आप अपनी रोज की दिनचर्या में आसानी से शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं सुबह उठने के बाद किए जाने वाले 7 आसान काम।

1. सुबह उठकर अपनी हथेलियां देखें
बिस्तर से उठने के बाद कुछ पल अपनी दोनों हथेलियों को देखें। धार्मिक मान्यता के अनुसार हथेली के अलग-अलग हिस्सों में मां लक्ष्मी, मां सरस्वती और भगवान विष्णु का वास माना जाता है। ऐसा करने से दिन की शुरुआत अच्छे विचारों के साथ करने का भाव आता है। आप चाहें तो इस दौरान मन ही मन भगवान को याद कर सकते हैं।

2.धरती माता को प्रणाम करें
बिस्तर से नीचे पैर रखने से पहले धरती को हाथ लगाकर प्रणाम करें। धार्मिक मान्यता में इसे धरती माता के प्रति सम्मान दिखाने का एक तरीका माना जाता है। आप मन ही मन धरती माता को प्रणाम करके फिर अपने दिन की शुरुआत कर सकते हैं। यह एक छोटी सी आदत है, जिसे अपनाना काफी आसान है।

3. सुबह सूर्य को जल दें
सुबह स्नान करने के बाद सूर्य देव को जल देना धार्मिक रूप से शुभ माना जाता है। इसके लिए साफ पानी को किसी लोटे में लेकर सूर्य की ओर देखकर धीरे-धीरे जल अर्पित कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार सूर्य को जल देने से आत्मविश्वास और मन की शांति से जुड़ा अच्छा भाव बना रहता है।

4. कुछ देर भगवान को याद करें
सुबह तैयार होने के बाद घर के मंदिर में दीपक जला सकते हैं। अपने इष्ट देव को याद करें और कुछ मिनट शांत होकर बैठें। अगर आपके पास ज्यादा समय नहीं है, तो केवल 2 से 5 मिनट आंखें बंद करके भगवान का नाम लेना भी काफी है। इससे दिन की शुरुआत शांत मन से करने में मदद मिल सकती है।

5. तुलसी के पौधे को जल दें
अगर आपके घर में तुलसी का पौधा है, तो सुबह उसे जल दे सकते हैं। हिंदू धर्म में तुलसी को पवित्र पौधा माना जाता है। तुलसी के पास कुछ पल बैठना और पौधे की देखभाल करना भी अच्छी आदत हो सकती है। इससे घर में हरियाली बनी रहती है और सुबह का समय भी अच्छा गुजरता है।

6. घर का मुख्य दरवाजा साफ रखें
घर का मुख्य दरवाजा घर का सबसे खास हिस्सा होता है। इसलिए सुबह इसे साफ रखना अच्छी आदत है। सुबह दरवाजे के आसपास की जगह साफ कर दें और वहां कूड़ा या बेकार सामान जमा न होने दें। वास्तु मान्यता में साफ मुख्य द्वार को घर में सुख-समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है।

7. पक्षियों के लिए दाना और पानी रखें
सुबह बालकनी, छत या किसी सुरक्षित जगह पर पक्षियों के लिए दाना और पानी रख सकते हैं। गर्म मौसम में साफ पानी रखना खास तौर पर अच्छा रहता है। पक्षियों की मदद करना एक प्यारा काम है और इससे मन को भी अच्छा महसूस हो सकता है।

सुबह की इन आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करें
इनमें से सभी काम रोज करना जरूरी नहीं है। आप अपनी सुविधा के अनुसार एक या दो कामों से शुरुआत कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि सुबह का समय अच्छे विचारों और शांत मन के साथ शुरू हो। ध्यान रखें कि वास्तु और धार्मिक मान्यताओं से जुड़े इन उपायों को आस्था और परंपरा के तौर पर देखा जाता है। इनके परिणाम व्यक्ति की मान्यता पर निर्भर करते हैं।

ऑफिस डेस्क का साफ और व्यवस्थित रहना जरूरी

ऑफिस में हमारा काफी समय डेस्क पर ही गुजरता है। इसलिए डेस्क का साफ और व्यवस्थित रहना जरूरी है। लेकिन रोज काम के बीच हम कई ऐसी चीजें डेस्क पर जमा कर लेते हैं, जिनकी अब जरूरत नहीं होती। पुराना कप, खराब पेन, सूखा पौधा या बेकार चार्जर जैसी चीजें धीरे-धीरे जगह घेरने लगती हैं। ऐसी चीजों को डेस्क के लिए अच्छा नहीं माना जाता। वर्कस्पेस में अनावश्यक और खराब चीजें रखने से बचना चाहिए। अगर आप चाहते हैं कि आपका वर्कस्पेस साफ-सुथरा और अच्छा लगे, तो इन चीजों को डेस्क से हटाना बेहतर है।

1. टूटा कप या खराब सामान
डेस्क पर टूटा हुआ कप, खराब पेन या कोई टूटा डेकोरेशन पीस पड़ा है, तो उसे हटा दें। वास्तु मान्यताओं के अनुसार टूटे सामान को डेस्क पर रखना अच्छा नहीं माना जाता। साथ ही ऐसी चीजें जगह भी घेरती हैं। जो सामान अब इस्तेमाल नहीं हो सकता, उसे डेस्क पर रखने की बजाय अलग कर देना बेहतर है।

2.सूखा या मुरझाया हुआ पौधा
डेस्क पर छोटा सा हरा पौधा रखना काफी अच्छा लगता है। इससे वर्कस्पेस भी फ्रेश दिखता है। लेकिन अगर पौधा सूख गया है या काफी समय से मुरझाया हुआ है, तो उसे डेस्क पर न रखें। वास्तु मान्यताओं में सूखे पौधों को ठहराव से जोड़ा जाता है। इसलिए पौधे की समय-समय पर देखभाल करें और सूख जाने पर उसे हटा दें।

3. पुराने कागजों का ढेर
पुराने बिल, बेकार प्रिंटआउट और ऐसे नोट्स जिनकी अब जरूरत नहीं है, उन्हें डेस्क पर जमा करके न रखें। इससे डेस्क भरी-भरी लगती है और जरूरी चीज ढूंढने में भी समय जाता है। काम के कागज अलग रखें और जिनकी जरूरत नहीं है, उन्हें समय-समय पर हटा दें। साफ डेस्क पर काम करना भी आसान लगता है।

4. पुराने चार्जर और बेकार केबल
पुराना चार्जर, खराब ईयरफोन, काम न करने वाला माउस या बेकार केबल अक्सर डेस्क के किसी कोने में पड़े रहते हैं। हमें लगता है कि शायद बाद में काम आ जाएं। लेकिन अगर लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हुए हैं, तो उन्हें डेस्क से हटा देना बेहतर है। इससे आपकी जगह बचेगी और डेस्क भी ज्यादा साफ दिखेगी।

बालों को नेचुरली घना बनाने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें...

क्या आप भी बालों को खूबसूरत बनाने के लिए महंगे शैंपू, सीरम और हेयर स्पा पर पैसे खर्च करते हैं, लेकिन क्या आपको मनचाहा रिजल्ट मिल पाता है? असल में, बालों में असली बदलाव तब आता है जब उन्हें अंदर से सही पोषण मिलता है। सिर्फ बाहरी देखभाल से बालों का डेंसिटी नहीं बढ़ता। अगर आपकी डेली डाइट संतुलित है, तो आपके हेयर फॉलिकल्स मजबूत होते हैं और बाल अपने आप घने और शानदार दिखने लगते हैं। आइए जानते हैं कुछ ऐसे नेचुरल डेली सप्लीमेंट्स के बारे में, जो आपके बालों की मोटाई और मजबूती बढ़ाने में जादू की तरह काम करते हैं।

शकरकंद
शकरकंद बीटा-कैरोटीन का खजाना है। यह शरीर में जाकर विटामिन ए में बदल जाता है, जो स्कैल्प में नेचुरल ऑयल बनाने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से आपके बाल सूखे और बेजान नहीं होते। साथ ही, बालों की जड़ें मजबूत होती हैं और उनका घनत्व काफी बेहतर हो जाता है।

चिया सीड्स
ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर चिया सीड्स स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को सुधारने का काम करते हैं। ये बालों की ग्रोथ को शानदार सपोर्ट देते हैं।
कैसे खाएं: रोज एक चम्मच भिगोए हुए चिया सीड्स को पानी या अपनी पसंदीदा स्मूदी में मिलाकर पिएं।

कद्दू के बीज
मैग्नीशियम, आयरन और जिंक से भरे कद्दू के बीज स्कैल्प को हेल्दी रखने में माहिर हैं। इनमें मौजूद जिंक आपके हेयर ग्रोथ साइकिल को संतुलित करता है।
कैसे खाएं: रोजाना बस एक छोटी मुट्ठी कद्दू के बीज खाएं, यह जड़ों को भरपूर पोषण देकर बालों का घनत्व बढ़ाते हैं।

दही
क्या आप जानते हैं कि एक स्वस्थ पाचन तंत्र पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से सोखता है, जिसका सीधा असर आपके बालों की मजबूती पर पड़ता है? दही प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स का सबसे अच्छा सोर्स है। रोज एक कटोरी ताजा दही खाने से बालों की ग्रोथ और डेंसिटी में गजब का सुधार आता है।

बादाम
बादाम हेल्दी फैट्स, बायोटिन और विटामिन ई का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। विटामिन ई स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है, जिससे आपके हेयर फॉलिकल्स को गहराई से पोषण मिलता है।

समस्याएं सिर्फ छुपती हैं हटती नहीं
सांसों से बदबू आना मसूड़ों से जुड़ी बीमारी का संकेत हो सकता है और माउथवॉश करने से भले ही कुछ समय के लिए यह समस्या छुप जाए लेकिन जड़ से खत्म नहीं होती। ऐसा होने पर माउथवॉश इस्तेमाल करने की बजाय सबसे पहले डेंटिस्ट की सलाह लें।

आज का राशिफल

मेष राशि - कल अधूरे काम पूरे करने पर आपका विशेष ध्यान रहेगा। समय-सीमा में जिम्मेदारियां पूरी करने की आपकी क्षमता वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित करेगी। किसी अनुबंध या आवेदन से सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। व्यापार में ग्राहकों की जरूरत के अनुसार छोटे बदलाव बड़ा फायदा देंगे। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखें। परिवार में आपकी समझदारी से किसी मतभेद का समाधान निकल सकता है।

वृषभ राशि - कल परिस्थितियां आपको अपनी योग्यता साबित करने का अवसर देंगी। कार्यस्थल पर ईमानदारी और जिम्मेदारी से आपकी सकारात्मक छवि बनेगी। कारोबार में पुराने उत्पादों को नए अंदाज में पेश करना लाभदायक हो सकता है। किसी भी निवेश से पहले दस्तावेजों की अच्छी तरह जांच करें। परिवार में भविष्य की योजनाओं को लेकर गंभीर बातचीत होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन मीठे का सेवन सीमित रखें।

मिथुन राशि - कल आपकी संवाद क्षमता कई रुके हुए कार्यों को गति दे सकती है। नौकरी में अलग-अलग विभागों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में प्रचार से ज्यादा ग्राहकों का भरोसा जीतना फायदेमंद रहेगा। विद्यार्थियों को समूह चर्चा से नई जानकारी और दृष्टिकोण मिलेगा। किसी पुराने संपर्क से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है। अपनी ऊर्जा को एक लक्ष्य पर केंद्रित करके आगे बढ़ें।

कर्क राशि - कल घरेलू मामलों में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। परिवार की जरूरतों को प्राथमिकता देने से अपनों का विश्वास और मजबूत होगा। नौकरी में संयमित व्यवहार आपको कठिन परिस्थितियों से आसानी से बाहर निकाल सकता है। व्यापार में गुणवत्ता पर ध्यान देने से ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी। घर में धार्मिक या पारिवारिक आयोजन की तैयारी शुरू हो सकती है। दिन समाप्त होने पर मानसिक शांति महसूस करेंगे।

सिंह राशि - कल आपका व्यक्तित्व लोगों को प्रभावित करेगा। नेतृत्व क्षमता के कारण कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। व्यापार में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह भविष्य के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहने से आपकी पहचान बढ़ेगी। परिवार में बच्चों के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। आत्मविश्वास बनाए रखें, लेकिन व्यवहार में विनम्रता को भी प्राथमिकता दें।

कन्या राशि - कल आपका ध्यान कामकाज में व्यवस्था और सुधार लाने पर रहेगा। नौकरी में किसी प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का अवसर मिल सकता है। कारोबार में लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने की कोशिश सफल हो सकती है। विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास का लाभ मिलेगा। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखना पड़ सकता है। काम के साथ पर्याप्त आराम और नींद लेना भी जरूरी होगा।

तुला राशि- कल आपकी कूटनीतिक सोच और संतुलित व्यवहार नई उपलब्धियां दिला सकता है। कार्यस्थल पर दो पक्षों के बीच सामंजस्य स्थापित करने में आपकी भूमिका अहम रहेगी। व्यापार में सहयोगी संस्थाओं के साथ बेहतर तालमेल बनेगा। दांपत्य जीवन में आपसी विश्वास मजबूत होगा। आर्थिक मामलों में अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। सामाजिक स्तर पर आपका सम्मान और प्रभाव बढ़ने के संकेत हैं।

वृश्चिक राशि - कल आपकी सूक्ष्म नजर दूसरों की अनदेखी बातों को समझने में मदद करेगी। नौकरी में किसी महत्वपूर्ण जानकारी का सही इस्तेमाल करने से प्रशंसा मिल सकती है। व्यापार में प्रतिस्पर्धियों की रणनीति का शांत मन से विश्लेषण करना लाभदायक रहेगा। धन से जुड़े मामलों में जल्दबाजी न करें। परिवार में किसी पुराने रिश्ते में फिर से मधुरता लौट सकती है।

धनु राशि- कल आपकी जिज्ञासा आपको नई दिशा दिखा सकती है। उच्च शिक्षा, ऑनलाइन प्रशिक्षण और लेखन से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी के साथ सीखने का अवसर मिलेगा। व्यापारियों को दूर रहने वाले ग्राहकों से लाभ मिल सकता है। परिवार के साथ छोटी यात्रा की योजना बन सकती है। अपने अनुभव और ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करने से भी फायदा मिलेगा।

मकर राशि - कल आपका धैर्य और व्यावहारिक सोच बड़ी उपलब्धि हासिल करने में मदद करेगी। कार्यस्थल पर संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए आपकी सराहना हो सकती है। व्यापार में उत्पादन और वितरण व्यवस्था को व्यवस्थित करने से लाभ मिलेगा। नियमित बचत भविष्य में आर्थिक मजबूती देगी। परिवार के किसी बड़े फैसले में आपकी राय महत्वपूर्ण रहेगी। सफलता के लिए दिनचर्या को अनुशासित बनाए रखना जरूरी होगा।

कुंभ राशि- कल आपकी कल्पनाशीलता और नवीन सोच आपको अलग पहचान दिलाएगी। तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्रों में नए अवसर सामने आ सकते हैं। नौकरी में नई प्रणाली अपनाने से काम आसान होगा और समय की बचत होगी। व्यापार में ग्राहकों तक पहुंचने के नए तरीके सफल रहेंगे। मित्रों के साथ किसी सामाजिक पहल की शुरुआत हो सकती है।

मीन राशि- कल आपका अंतर्ज्ञान महत्वपूर्ण निर्णयों में सही दिशा दिखा सकता है। कार्यस्थल पर किसी उलझे हुए मामले का समाधान शांत सोच से निकालने में सफलता मिलेगी। व्यापार में ग्राहकों से व्यक्तिगत जुड़ाव आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कला, साहित्य और आध्यात्मिक कार्यों से जुड़े लोगों को नई प्रेरणा मिल सकती है। परिवार में पुराने रिश्ते मजबूत होंगे। नकारात्मक विचारों से दूर रहें और खुद पर विश्वास बनाए रखें।

चायपत्ती स्टोर करने का तरीका

चाय के शौकीन लोगों के घर में चायपत्ती का डिब्बा जरूर होता है। कई बार डिब्बा बंद रखने के बाद भी कुछ समय में चाय की खुशबू और स्वाद पहले जैसा नहीं रहता। चाय फीकी या कम खुशबूदार लगने लगती है। ऐसे में सिर्फ चायपत्ती की क्वालिटी को जिम्मेदार मानना सही नहीं है। इसे रखने का तरीका भी काफी मायने रखता है। चायपत्ती हवा में मौजूद नमी और आसपास की गंध को जल्दी सोख सकती है। इसलिए इसे सही जगह और सही डिब्बे में रखना जरूरी है। आइए जानते हैं चायपत्ती को लंबे समय तक फ्रेश रखने के आसान तरीके।

एयरटाइट डिब्बे में रखें चायपत्ती
चायपत्ती को ऐसे डिब्बे में रखें जिसका ढक्कन अच्छी तरह बंद हो। सिर्फ ढक्कन लगा होना काफी नहीं है, डिब्बा एयरटाइट होना चाहिए। अगर हवा अंदर जाती रहेगी, तो नमी भी चायपत्ती तक पहुंच सकती है। इससे उसकी खुशबू और स्वाद पर असर पड़ सकता है।

नमी और गर्मी से रखें दूर
चायपत्ती का डिब्बा गैस, चूल्हे या सिंक के पास रखने से बचें। गैस के पास ज्यादा गर्मी होती है, जबकि सिंक के आसपास नमी रहती है। दोनों ही चीजें चायपत्ती की ताजगी कम कर सकती हैं। इसे किसी सूखी और ठंडी अलमारी में रखना बेहतर है।

धूप और तेज रोशनी से बचाएं
चायपत्ती को खिड़की के पास या ऐसी जगह न रखें जहां सीधी धूप आती हो। तेज रोशनी के लंबे समय तक संपर्क में रहने से उसकी खुशबू और स्वाद प्रभावित हो सकते हैं। अगर कांच के जार में रखते हैं, तो उसे किसी बंद अलमारी में रखें।

मसालों और कॉफी से रखें अलग
चायपत्ती आसपास की तेज गंध को भी सोख सकती है। इसलिए इसे मसाले, कॉफी, प्याज, लहसुन या किसी तेज खुशबू वाली चीज के पास रखने से बचें। चायपत्ती के लिए अलग साफ डिब्बा रखना सबसे अच्छा तरीका है।

बार-बार पूरा डिब्बा न खोलें
अगर आपने ज्यादा मात्रा में चायपत्ती खरीदी है, तो पूरी चायपत्ती को रोज खोलने वाले डिब्बे में न रखें। थोड़ी मात्रा रोज इस्तेमाल के लिए अलग डिब्बे में रखें और बाकी चायपत्ती को अच्छी तरह बंद करके रखें। इससे बार-बार हवा के संपर्क में आने से बचाया जा सकता है।

ऐसे पहचानें चायपत्ती की ताजगी
अगर चायपत्ती की खुशबू पहले से काफी कम हो गई है, स्वाद फीका लग रहा है या चाय पहले जैसी नहीं बन रही, तो उसकी ताजगी कम हो सकती है। वहीं अगर चायपत्ती में सीलन, असामान्य गंध या फफूंदी दिखाई दे, तो उसे इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। सही स्टोरेज से चायपत्ती की खुशबू और स्वाद को ज्यादा समय तक बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

घर पर बनाएं गरमागरम उपमा

सुबह का समय अक्सर इतना भागदौड़ वाला होता है कि समझ नहीं आता नाश्ते में क्या बनाया जाए. ऐसे में अगर पहले से कुछ तैयारी करके रखी हो तो काम बहुत आसान हो जाता है. उपमा प्रीमिक्स इसी काम को आसान बनाने वाला एक बढ़िया ऑप्शन है. इसे आप एक बार तैयार करके एयरटाइट डिब्बे में रख सकते हैं और जब मन करे, कुछ ही मिनटों में गरमागरम उपमा बना सकते हैं.इसका सबसे अच्छा फायदा यह है कि हर बार उपमा बनाने के लिए अलग से सूजी भूनने और मसालों की तैयारी करने की जरूरत नहीं पड़ती. तो आइए जानते हैं घर पर इंस्टेंट उपमा प्रीमिक्स बनाने का आसान तरीका.

उपमा प्रीमिक्स बनाने के लिए सामग्री
2 कप सूजी या रवा
2 बड़े चम्मच मूंगफली
1 बड़ा चम्मच चना दाल
1 बड़ा चम्मच उड़द दाल
1 छोटा चम्मच राई
1 छोटा चम्मच जीरा
8-10 करी पत्ते
1-2 सूखी लाल मिर्च
1 छोटा चम्मच अदरक, बारीक कटा हुआ
1-2 हरी मिर्च, बारीक कटी हुई
स्वादानुसार नमक
1 चुटकी हींग
1-2 बड़े चम्मच तेल

ऐसे तैयार होगा उपमा प्रीमिक्स
- उपमा प्रीमिक्स बनाने के लिए सबसे पहले एक भारी तले वाली कड़ाही गर्म करें। इसमें सूजी डालकर धीमी से मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए भूनें।
- सूजी का रंग बदलने की जरूरत नहीं है। बस जब इसमें हल्की खुशबू आने लगे और सूजी थोड़ी कुरकुरी हो जाए, तो गैस बंद कर दें। भुनी हुई सूजी को एक प्लेट में निकालकर पूरी तरह ठंडा होने दें।
- अब कड़ाही में थोड़ा तेल डालें। तेल गर्म होने पर राई और जीरा डालें। इनके चटकने के बाद चना दाल, उड़द दाल और मूंगफली डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें।
- अब इसमें करी पत्ता, सूखी लाल मिर्च, हींग, अदरक और हरी मिर्च डालें। सब चीजों को कुछ देर भूनने के बाद गैस बंद कर दें। ध्यान रखें कि इसमें पानी बिल्कुल न जाए।
- जब सूजी और तड़का दोनों अच्छी तरह ठंडे हो जाएं, तो इन्हें एक बड़े बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसमें स्वादानुसार नमक डालें और एक बार फिर सभी चीजों को मिक्स करें।
- अब आपका होममेड उपमा प्रीमिक्स तैयार है। इसे पूरी तरह सूखे और साफ एयरटाइट कंटेनर में भरकर रखें। हमेशा प्रीमिक्स निकालने के लिए सूखा चम्मच ही इस्तेमाल करें।
- जब मन करे ऐसे बनाएं इंस्टेंट उपमा
जब भी उपमा बनाना हो, एक पैन में जरूरत के हिसाब से पानी गर्म करें। पानी में उबाल आने पर धीरे-धीरे उपमा प्रीमिक्स डालें और लगातार चलाते रहें, ताकि गांठ न बने। कुछ मिनट तक पकाने के बाद सूजी पानी सोख लेगी और उपमा तैयार हो जाएगा।
- ऊपर से थोड़ा नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर इसे सर्व कर सकते हैं।

सुबह खाली पेट इन चीजों का करें सेवन

बहुत से लोग दिन भर अपने खान-पान पर पूरा ध्यान देते हैं, लेकिन सुबह सबसे पहले वे क्या खाते-पीते हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है। पानी पीने से लेकर चाय-कॉफी की चुस्की लेने तक, सुबह की दिनचर्या हर किसी की अलग हो सकती है, लेकिन कुछ आदतों को आपको अपने रूटीन का हिस्सा बना लेना चाहिए।

सुबह उठकर क्या खाएं पीएं
पानी पीकर करें दिन की शुरुआत-, सुबह उठते ही सबसे पहले वह 250 मिलीलीटर पानी पीती हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अक्सर प्यास लगती है, इसलिए कुछ भी खाने-पीने से पहले शरीर में पानी की कमी को पूरा करना उनकी प्राथमिकता होती है। पानी पीने से रात भर में शरीर से निकले तरल पदार्थों की भरपाई हो जाती है और सुबह उन्हें तरोताजा महसूस होता है। इस तरह आप दिन की शुरुआत करने को तैयार हो जाते हैं।

हेल्दी फैट शामिल करें- पानी पीने के बाद न्यूट्रिशनिस्ट हेल्दी फैट लेती हैं। इसके लिए वो ज्यादातर सुबह एक चम्मच शुद्ध नारियल तेल पीती हैं। सुबह सबसे पहले फैट वाला कुछ खाने से ब्लड शुगर का स्तर स्थिर रखने में मदद मिल सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस आदत से उन्हें लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है और दिन भर अत्यधिक भूख या चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होता।

एनर्जी के लिए ब्लैक कॉफी- सुबह की दिनचर्या का आखिरी स्टेप होता है जिसमें वो सुबह एक कप ब्लैक कॉफी लेती हैं, जिसे वह नारियल तेल पीने के पीती हैं। ब्लैक कॉफी उन्हें दिन भर अधिक एनर्जेटिक और एकाग्र रहने में मदद करती है।

न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया कि ब्लैक कॉफी पीने से शरीर में सुबह के समय कोर्टिसोल के नेचुरल लेवल को 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं, इससे शरीर को ऊर्जा मिलती है और आप कहीं ज्यादा एक्टिव रहते हैं। कॉफी में पॉलीफेनॉल होते हैं, जो ऐसे यौगिक हैं जो आंतों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं।

रात को गोवंशों को रिफ्लेक्टर पहनाकर हटाया, सुबह फिर सड़कों पर जमावड़ा, मालिकों पर कार्रवाई जरूरी

अंजोरा से लेकर पेंड्री, नंदई चौक, भदौरिया चौक, बसंतपुर रोड, इंदिरा नगर पर समस्या

गोवंशों से सीधे मालिकों की पहचान जरूरी, ठोस कदम से रुकेंगे हादसें, सख्ती होनी चाहिए

राजनांदगांव। नेशनल हाइवे पर 11 गोवंशों की मौत के बाद यह तो साफथा कि अब प्रशासनिक अमला हरकत में आएगा और हुआ भी ठीक वैसा ही। सोमवार रात से ही टीम सड़क पर दिखने लगी। रोड पर बैठे गोवंशों को हटाया गया, उनके गले में रिफ्लेक्टर लगाया गया। लेकिन इसके ठीक दूसरे दिन यानी मंगलवार को सुबह से लेकर रात का नजारा वैसा ही था, जो नहीं होना चाहिए। हाइवे और शहर के भीतरी मार्गों पर गोवंशों का जमावड़ा लगा रहा। सीधे तौर पर ऐसे मामलों में पशु मालिकों पर कार्रवाई करनी चाहिए। तभी ऐसे हादसों में कमी आएगी। रविवार देर रात हाइवे पर होटल राज इंपीरियल के सामने अज्ञात ट्रक चालक ने गोवंशों को चपेट में ले लिया। इसमें 11 मवेशियों की जान चली गई। इसके बाद कलेक्टर जितेंद्र यादव ने पत्र लिखकर संबंधित विभाग को अलर्ट किया, ताकि ऐसी घटनाएं दोबारा न हो। क्योंकि पूर्व में प्रशासनिक तौर पर टीम बनाई गई थी, जिसमें कर्मचरियों की क्षेत्र के अनुसार ड्यूटी लगाई गई थी। लेकिन वे ग्राउंड पर ही नहीं थे। इसलिए उनकी जिम्मेदारी भी तय करना जरूरी है।

अभियान चलाकर पशुपालकों पर कार्रवाई होना चाहिए

इस पूरे मामले को देखा जाए तो प्रशासनिक अमले की लापरवाही को नकारा नहीं जा सकता। लेकिन इसी दूसरी कड़ी गोवंशों के मालिक है, जो उन्हें आवारा ही छोड़ देते हैं। उनके कारण ही ये हादसे हो रहे हैं, इसमें गोवंशों की जान तो जा ही रही है, साथ ही वाहनों से बड़े हादसों का खतरा भी बना हुआ है। इसलिए मालिकों पर सीधे कार्रवाई की जानी चाहिए।

नगर निगम, पुलिस और प्रशासनिक अमला, फिर भी हाल ऐसा

गोवंशों को पकड़ने, रोड से हटाने और कार्रवाई करने के लिए तीन टीमें हैं। इनमें पहले नंबर पर नगर निगम, दूसरे में पुलिस का यातायात विभाग और फिर प्रशासनिक टीम। तीन टीमों के पास जिम्मेदारी होने के बाद भी सड़कों पर गोवंशों को आसानी से देखा जा सकता है, वह भी सड़क के बीचोंबीच। जिसके चलते हादसे हो रहे हैं। मालिकों पर कार्रवाई होनी चाहिए, साथ ही ड्यूटी कर्मचारियों की भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

हर खेत का हो डिजिटल सर्वे, हर किसान का हो पंजीयन: कलेक्टर

एग्रीस्टेक और बकेट क्लेम पंजीयन को प्राथमिकता देने कलेक्टर सिंह ने दिए निर्देश

दुर्ग। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण योजना एवं अन्य कृषि सांख्यिकी योजनाओं के संबंध में वार्षिक प्रशिक्षण आज पीडब्ल्यूडी सभागार में सभी अनुविभागीय अधिकारी, उप संचालक कृषि, तहसीलदार एवं पटवारी के लिए आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी भी उपस्थित थे। सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख द्वारा अधिकारियों को योजनाओं की प्रक्रिया एवं कार्यों की बारीकियों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने फसलों के डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टेक पोर्टल एवं लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य आगामी सितंबर माह तक पूर्ण करने को कहा। उन्होंने सर्वेक्षण में आ रही दिक्कतों की जानकारी लेते हुए सर्वेयरों की संख्या बढ़ाने तथा कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पटवारियों को अधिक से अधिक सर्वेक्षणों का अनुमोदन करने को कहा। कलेक्टर सिंह ने कहा कि कई गांवों में सर्वेक्षण पूरा होने के बावजूद पटवारियों द्वारा समय पर अनुमोदन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि पटवारी सर्वेयरों के साथ कम से कम एक-दो खसरों का मौके पर निरीक्षण करें। किसी खेत में फसल को लेकर संदेह होने पर सर्वेयर संबंधित फसल का फोटो संबंधित अधिकारी व पटवारी के साथ साझा करें, ताकि किसी संदिग्ध या प्रतिबंधित फसल की जानकारी मिलने पर नियमानुसार रिपोर्ट की जा सके। उन्होंने सक्रिय सर्वेयरों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निष्क्रिय सर्वेयरों को हटाकर उनके स्थान पर दूसरे सर्वेयरों की नियुक्ति की जा सके। कलेक्टर ने जानकारी दी कि डिजिटल फसल सर्वेक्षण केवल धान की फसल तक सीमित नहीं है। धान के स्थान पर कोदो, कुटकी, अरहर, कपास, सोयाबीन, तिल, रागी सहित अन्य फसलें लेने वाले किसानों की फसलों का भी सर्वेक्षण किया जाना है, ताकि पात्र किसानों को नियमानुसार अनुदान का लाभ मिल सके। कलेक्टर सिंह ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसानों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

नियमित किराया जमा नहीं करने और व्यवसाय बंद रखने पर निगम की कार्रवाई

गौरव पथ स्थित एलआईसी कार्यालय के सामने 8 गुमटियां सीलबंद, निगम ने कब्जे में लिया

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा निगम सीमा क्षेत्र में आवंटित गुमटियों से नियमित किराया वसूली तथा उनका निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप संचालन सुनिश्चित करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरव पथ रोड स्थित एलआईजी एलआईसी कार्यालय के सामने आवंटित गुमटियों में नियमित किराया जमा नहीं करने एवं गुमटियों में व्यवसाय संचालित नहीं किए जाने के कारण संबंधित आवंटितों को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संबंधित आवंटितों द्वारा निर्धारित अवधि में कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया और न ही किराया जमा करने तथा व्यवसाय संचालन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की गई। इसे गंभीरता से लेते हुए नगर निगम द्वारा कुल 8 गुमटियों को सीलबंद कर निगम कब्जे में ले लिया गया। नगर निगम द्वारा सीलबंद की गई गुमटियों में गुमटी क्रमांक 04 के आवंटित चुन्नीलाल सिन्हा, क्रमांक 07 के प्यारेलाल बारेकर, क्रमांक 09 के मिथलेश ठाकुर, क्रमांक 19 के पूरनलाल कसार, क्रमांक 20 के राजकुमार चापरे, क्रमांक 22 के शेख गपफार, क्रमांक 23 के सान मोहम्मद तथा क्रमांक 24 के विजय कुमार विश्वकर्मा शामिल हैं। निगम अधिकारियों ने बताया कि आवंटित गुमटियों का नियमित किराया जमा करना तथा उनमें निर्धारित व्यवसाय का संचालन करना आवंटितों की जिम्मेदारी है। निगम द्वारा पूर्व में नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था, लेकिन कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किए जाने के बाद नियमानुसार यह कार्रवाई की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि निगम की संपत्तियों के उपयोग एवं किराया भुगतान से संबंधित नियमों का पालन अनिवार्य है।

सामुदायिक सहयोग से कुपोषण के खिलाफ जंग

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा एकीकृत बाल विकास परियोजना धमधा के अंतर्गत ग्राम पंचायत करेली में रोटरी क्लब दुर्ग के सहयोग से स्वास्थ्य एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं को स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा ग्राम को कुपोषण मुक्त बनाना रहा। शिविर में 71 महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं का शुगर, बीपी एवं हीमोग्लोबिन परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उनके पालकों की काउंसलिंग की। 9 गंभीर कुपोषित बच्चों को दवाइयां वितरित की गईं, जबकि रोटरी क्लब द्वारा 44 कुपोषित बच्चों को सुपोषण किट प्रदान की गई। कार्यक्रम में महिलाओं एवं किशोरियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, ओटीपी व व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने तथा सुरक्षित डिजिटल माध्यमों के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, एनीमिया से बचाव, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह एवं मिशन शक्ति की योजनाओं की जानकारी दी गई तथा किशोरियों को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। परियोजना अधिकारी कौशलेश देवांगन एवं सुपरवाइजर रीमा शुक्ला ने कुपोषण के चक्र को तोड़ने के लिए सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता बताई। शिविर में जनप्रतिनिधि, रोटरी क्लब की टीम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, महिलाएं एवं किशोरियां उपस्थित रहीं।

राजस्व प्रकरणों में लापरवाही पर संभाग आयुक्त ने तहसीलदार को तत्काल प्रभाव से किया निलंबित

दुर्ग। प्रशासनिक कार्यों में लापरवाही और जनसमस्याओं के निराकरण में विलंब को गंभीरता से लेते हुए संभागायुक्त दुर्ग सत्य नारायण राठौर ने राजनांदगांव जिले के घुमका तहसील में पदस्थ तहसीलदार मुकेश कुमार ठाकुर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम 9 के तहत की गई है। उल्लेखनीय है कि तहसीलदार मुकेश कुमार ठाकुर पर शासकीय कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतने, सामान्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण में देरी करने तथा आर.बी.सी. 6-4 के तहत पीड़ित परिवारों को मिलने वाली आर्थिक सहायता के मामलों में अनावश्यक विलंब करने के गंभीर आरोप थे। संभागायुक्त द्वारा जारी आदेश के तहत निलंबन अवधि में ठाकुर का मुख्यालय कार्यालय कलेक्टर, राजनांदगांव निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

मायादेवी बिजौरा का निधन, समाज प्रमुखों ने दी श्रद्धांजलि

अमलेश्वर। ग्राम दैमार निवासी माया देवी बिजौरा का 22 अगस्त दिन शनिवार को आकस्मिक निधन हो गया है जिसका अंत्येष्टि कार्यक्रम गृह ग्राम दैमार किया गया। माया देवी बिजौरा छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के पूर्व केंद्रीय युवा अध्यक्ष ललित कुमार बिजौरा की चाची एवं बिरेंद्र बिजौरा, ममता, कुसुमलता , मनीषा की माता थी उनका उम्र 69 वर्ष था।

दशगात्र कार्यक्रम 31 अगस्त दिन सोमवार को गृह ग्राम दैमार में सम्पन्न होगा। उनके निधन पर समाज के अजय सिंगौर, विजय सिंगौर, बीरेन्द्र बंछोर, प्रभाकर वर्मा, प्रभात वर्मा, सुनील वर्मा, अश्वनी वर्मा, नरेंद्र वर्मा, लक्ष्मीनारायण बिजौरा, नवीन, प्रमोद, विनोद, प्रकाश, प्रदीप, गोलू, मनीष, अभिषेक सहित गांव के लोगों ने दुःख व्यक्त करते हुए विनम्र शोक संवेदना प्रगट किया है।

सावन सोमवार पर सिंधिया नगर में गूंजा भक्ति और आस्था का स्वर, रुद्राभिषेक के साथ हुआ महाप्रसाद वितरण

वृद्धाश्रम एवं कामकाजी दीदियों को सावन उपहार देकर मनाया पावन पर्व

दुर्ग। सिंधिया नगर में सावन के पावन अवसर पर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतिम सावन सोमवार का पर्व श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूजा-पाठ, भजन-संगीत एवं रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात श्रद्धालुओं को महाप्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों एवं क्षेत्र में कार्य करने वाली दीदियों को सावन के उपहार भेंट कर उनके साथ पर्व की खुशियां साझा की गईं। आयोजन के दौरान पूरा वातावरण भगवान भोलेनाथ के जयकारों एवं भक्ति गीतों से भक्तिमय हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में शामिल होकर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजक नीलू संजय सिंह ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना और सेवा का पर्व है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी अंतिम सावन सोमवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। उन्होंने कहा कि हर त्योहार को समाज के सभी वर्गों के साथ मिलकर मनाने और जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने की परंपरा को आगे बढ़ाना ही आयोजन का उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर सवा लाख शिवलिंग बनाकर रुद्राभिषेक का आयोजन भी किया जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से लोगों में भक्ति, सेवा, संस्कार और सामाजिक एकता की भावना मजबूत होती है। सिंधिया नगर में हर त्योहार को इसी भावना के साथ उत्साहपूर्वक मनाने की परंपरा आगे भी जारी रहेगी।

आयुक्त ने नेहरू नगर एसएलआरएम सेंटर का किया निरीक्षण, सीएंडडी वेस्ट प्लांट का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरुचि सिंह ने नेहरू नगर स्थित एसएलआरएम सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर में निर्माणाधीन सीएंडडी (कंस्ट्रक्शन एंड डिमोलिशन) वेस्ट प्लांट के निर्माण कार्यों का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को कार्य की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए निर्माण कार्य अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। आयुक्त ने निर्माणाधीन प्लांट का निरीक्षण करते हुए कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए तथा कार्य को समय-सीमा में पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही आयुक्त ने एसएलआरएम सेंटर में संचालित कचरा सेग्रीगेशन (गीला-सूखा एवं अन्य श्रेणियों में अपशिष्ट पृथक्करण) कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए सेग्रीगेशन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने एसएलआरएम सेंटर में कार्यरत कर्मचारियों की उपस्थिति व्यवस्था को हाईटेक करने के निर्देश भी दिए, ताकि कर्मचारियों की उपस्थिति की नियमित एवं पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्था में तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हुए कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करने कहा। निरीक्षण के दौरान जोन आयुक्त डी के कोसरिया, कार्यपालन अभियंता सुनील जैन, नितेश मेश्राम, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, सहायक अभियंता श्वेता वर्मा, उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, अशोक देवांगन, आशीष भारती, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बोरसी भाठा में 'वन महोत्सव' का आयोजन, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव होंगे मुख्य अतिथि

दुर्ग। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'लाइफ(लाइफ स्टाईल फॉर एनवॉरमेंट)' अभियान के तहत दुर्ग वनमंडल द्वारा 25 अगस्त 2026 (मंगलवार) को 'वन महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दुर्ग के बोरसी भाठा में पूर्वान्ह 10.00 बजे से आयोजित होगा। आयोजन में स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी कार्य विभाग मंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण व अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अहिवारा विधायक व राज्य अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डोमन लाल कोर्सेवाड़ा, वैशाली नगर विधायक रिंकेश सेन। पूर्व मुख्यमंत्री व पाटन विधायक भूपेश बघेल, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव, दुर्ग जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे।

मुरूम डालकर मरम्मत कार्य कराया जा रहा, पहले भी इस तरह की खामियां आ चुकी सामने

दिग्विजय स्टेडियम के मेंटनेंस की खुली कलई, मैदान की मिट्टी धसकी, मॉनिटरिंग पर भी सवाल

प्रशासनिक अधिकारियों की सख्ती जरूरी, मनमानी पर तभी कसेगी नकेल, खिलाड़ियों को होगा नुकसान

राजनांदगांव। दिग्विजय स्टेडियम अपने बनने से लेकर अब तक सुर्खियों में रहा है। पहले निर्माण में गड़बड़ी, तो कभी क्रिकेट संघ का कब्जा। अब बारी है उसके मेंटेनेंस के सवाल पर। मैदान में देखा जा सकता है कि मिट्टी धसक रही है, जिस पर मुरूम डालकर मरम्मत की जा रही है। करोड़ों रुपए की लागत और मेंटनेंस पर बड़े खर्च के बावजूद ग्राउंड की यह दुर्दशा समझ से परे हैं। दिग्विजय स्टेडियम समिति की कार्यप्रणाली को लेकर ही सवाल उठने लगा है। स्टेडियम समिति के कामकाज का ब्यौरा किसी के पास नहीं है, वह किस तरह से काम कर रही है। केवल साल में क्रिकेट का आयोजन और खिलाड़ियों के अभ्यास को ही उपलब्धियों में गिना दिया जाता है। इसके विपरित अब ग्राउंड का मेंटनेंस भी ठीक तरह से नहीं किया जा रहा है। यहीं कारण है कि मैदान की मिट्टी घसकने लगी है। जानकारों की मानें तो समय-समय पर मेंटनेंस नहीं होने के कारण ही यह दशा देखने को मिल रही है।

किस मॉनटरिंग, यह भी पता नहीं

करोड़ों रूपए खर्च कर दिग्विजय स्टेडियम का जीर्णोद्धार किया गया। इसके बाद उसके मेंटनेंस की मॉनिटरिंग कौन कर रहा है, इसका पता नहीं है। समिति तो बना दी गई, उसमें नए सदस्यों और पदाधिकारियों को भी जोड़ दिया गया। लेकिन अंदरखाने क्या चल रहा है, वह बाहर नहीं आ पा रहा हे। लेकिन निर्माण के बाद मेंटनेंस में लापरवाही का नतीजा जरूर इस तरह सामने आ रहा है।

पहले भी ऐसा हो चुका, फिर भी लापरवाही सामने आई

पूर्व में भी दिग्विजय स्टेडियम मैदान पर मिट्टी घंसकने और उसकी क्वालिटी को लेकर सवाल उठ चुके हैं। उस पर भी इसी तरह मरम्मत कराकर खानापूर्ति कर दी गई। लेकिन उस पर ठोस कदम नहीं उठाए गए। यहीं कारण है कि दोबारा मैदान की देखरेख को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब देखना होगा कि इस पर प्रशासनिक अधिकारी कितनी रूचि दिखाएंगे। किस मॉनटरिंग, यह भी पता नहीं करोड़ों रूपए खर्च कर दिग्विजय स्टेडियम का जीर्णोद्धार किया गया। इसके बाद उसके मेंटनेंस की मॉनिटरिंग कौन कर रहा है, इसका पता नहीं है। समिति तो बना दी गई, उसमें नए सदस्यों और पदाधिकारियों को भी जोड़ दिया गया। लेकिन अंदरखाने क्या चल रहा है, वह बाहर नहीं आ पा रहा हे। लेकिन निर्माण के बाद मेंटनेंस में लापरवाही का नतीजा जरूर इस तरह सामने आ रहा है।

पहले भी ऐसा हो चुका, फिर भी लापरवाही सामने आई

पूर्व में भी दिग्विजय स्टेडियम मैदान पर मिट्टी घंसकने और उसकी क्वालिटी को लेकर सवाल उठ चुके हैं। उस पर भी इसी तरह मरम्मत कराकर खानापूर्ति कर दी गई। लेकिन उस पर ठोस कदम नहीं उठाए गए। यहीं कारण है कि दोबारा मैदान की देखरेख को लेकर सवाल

नगर पालिका परिषद अमलेश्वर अंतर्गत 3 सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण हेतु 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि आबंटित

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी निर्देशों तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 4-1 की कंडिका 26 में निहित प्रावधानों के तहत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के निर्माण हेतु शासकीय भूमि के आबंटन की स्वीकृति प्रदान की है।

जारी आदेश के अनुसार, तहसील पाटन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तीन विभिन्न ग्रामों में स्थित कुल 1.050 हेक्टेयर शासकीय भूमि एक रुपए प्रति वर्गफीट की दर से निर्धारित मूल्य राज्य कोष में जमा कराए जाने के उपरांत बिना भू-भाटक के नगर पालिका परिषद अमलेश्वर को हस्तांतरित की गई है। आबंटित भूमि के विवरण के अनुसार, ग्राम अमलेश्वर (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 671/2 का 0.050 हेक्टेयर (5,380 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 5,380 रुपए, ग्राम भोथली (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 137/1 का 0.800 हेक्टेयर (86,111 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 86,111 रुपए, तथा ग्राम खुड़मुड़ा (पटवारी हल्का नंबर 03) स्थित खसरा नंबर 530 का 0.200 हेक्टेयर (21,520 वर्गफीट) भाग निर्धारित मूल्य 21,520 रुपए जमा कराए जाने पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट निर्माण प्रयोजनार्थ स्वीकृत किया गया है। उक्त भूमि का आबंटन कड़े प्रशासनिक प्रतिबंधों एवं शर्तों के अधीन किया गया है। जारी आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि आवंटित भूमि का उपयोग केवल सार्वजनिक जनउपयोगी कार्य एवं निर्धारित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण हेतु ही किया जाएगा, और अन्य किसी प्रयोजन में उपयोग किए जाने अथवा शर्त का उल्लंघन होने की स्थिति में आबंटन स्वतः निरस्त माना जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com